आज की खबर आज ही

जनाकांक्षाओं का सजग प्रहरी

चेतना मंच

वर्ष : 27 | अंक : 300 | website:www.chetnamanch.com | नोएडा, शनिवार, 18 अक्टूबर, 2025 | Chetna Manch | Chetna Manch | मूल्य 2.00 रु. | पेज: 8

देश को समर्पित की लखनऊ में बनी ब्रह्मोस मिसाइल

● लखनऊ के भटगाँव में बनाई गई ब्रह्मोस मिसाइल

● रक्षामंत्री राजनाथ सिंह व उप्र के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने किया फ्लैग ऑफ

लखनऊ (एजेंसी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और उत्तर प्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ स्थित ब्रह्मोस एयरोस्पेस इकाई से तैयार की गई ब्रह्मोस मिसाइलों की पहली खेप को शनिवार को हरी झंडी दिखाई। यह दिन न सिर्फ उत्तर प्रदेश डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर (यूपीडीआईसी) के लिए मील का पत्थर साबित होगा। बल्कि भारत के रक्षा उत्पादों में आत्मनिर्भरता के संकल्प को भी नई ऊर्जा भी देगा। इस मौके पर रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि आज का दिन उत्तर प्रदेश की जनता के

लिए महत्वपूर्ण दिन है। लखनऊ डिफेंस सेक्टर में अहम भूमिका निभा रहा है। मैंने पांच महीने पहले ब्रह्मोस यूनिट का उद्घाटन किया था। आज उसकी पहली खेप रवाना कर दी गई। यह आम बात नहीं है। ऑपरेशन सिंदूर ने साबित कर दिया है कि जीत अब हमारी आदत बन चुकी है। दुनिया ने भारत की ताकत को माना है। देश को ये विश्वास है कि अब हम बहुत मजबूत हो चुके हैं। मैं बता दूं कि जब भारत पाकिस्तान को जन्म दे सकता है, अब आगे आप लोग समझदार है।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आज भारत हर क्षेत्र में आत्मनिर्भर हो रहा है। भारत मित्र देशों की रक्षा क्षेत्र में आवश्यकता भी पूरी करेगा। उन्होंने कहा कि ब्रह्मोस मिसाइलों का निर्माण लखनऊ में किया जाना उत्तर प्रदेश के लिए गर्व की बात है।

विश्व की सबसे तेज और घातक सटीक प्रहार क्षमता वाली ब्रह्मोस सुपरसोनिक मिसाइल प्रणाली की निर्माता ब्रह्मोस एयरोस्पेस ने लखनऊ की नई इंटीग्रेशन एंड टेस्ट सुविधा से मिसाइल की पहली खेप तैयार कर ली है। यह अत्याधुनिक इकाई 11 मई को उद्घाटन के बाद पूरी तरह संचालन में आई थी।

कार्यक्रम के दौरान रक्षा मंत्री और मुख्यमंत्री ने ब्रूस्टर डॉकिंग प्रक्रिया देखी। साथ ही ब्रह्मोस सिम्युलेटर उपकरणों का प्रस्तुतीकरण भी देखा। रक्षामंत्री ने इस मौके पर पौधरोपण भी किया। कार्यक्रम के दौरान, महानिदेशक (ब्रह्मोस) डॉ. जयतीर्थ आर जोशी ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को एक चेक और जीएसटी बिल सौंपा, जिससे राज्य सरकार को राजस्व प्राप्त होगा। ब्रह्मोस मिसाइलों के उत्पादन से उत्तर प्रदेश में उच्च कौशल वाले युवाओं के लिए रोजगार के अवसर सृजित होंगे।

लखनऊ ब्रह्मोस इकाई उत्तर प्रदेश रक्षा गलियारे का पहला ऐसा प्रतिष्ठान है, जहां मिसाइल प्रणाली के निर्माण से लेकर अंतिम परीक्षण तक की पूरी प्रक्रिया देश में ही की जाती है। यह परियोजना न सिर्फ रणनीतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है, बल्कि प्रदेश में रोजगार, निवेश और तकनीकी नवाचार के नए अवसर भी सृजित कर रही है।

इस मौके पर उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक, कैबिनेट मंत्री नंदगोपाल गुप्ता नंदी, जसवंत सिंह सैनी व अन्य मौजूद रहे।

पंजाब में गरीब रथ में लगी आग

चंडीगढ़ (एजेंसी)। अमृतसर-सहरसा गरीब रथ (12204, बिहार जाने वाली) ट्रेन में शनिवार सुबह अचानक आग लग गई। ट्रेन के 2-3 एसी डिब्बों में आग लगने से यात्रियों में हड़कंप मच गया। आग की चपेट में आने से एक महिला यात्री झुलस गई। उसे स्थानीय अस्पताल में भर्ती किया गया है। चलती ट्रेन में आग की घटना फतेहगढ़ साहिब के सरहिंद रेलवे स्टेशन के पास हुई है।

शनिवार सुबह दिल्ली से लुधियाना जा रही गरीब रथ ट्रेन में फतेहगढ़ साहिब के ब्राह्मणमाजरा के पास अचानक आग लग गई। इस घटना के बाद वहां अफरा-तफरी मच गई। **(शेष पृष्ठ-3 पर)**

श्रम मंत्रालय के कर्मी के निर्माणाधीन मकान में चोरी

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना नॉलेज पार्क क्षेत्र के ग्रेटर नोएडा वेस्ट के सेक्टर-12 में एक निर्माणाधीन मकान का ताला तोड़कर चोरों ने ब्रॉस के नल, पाइप, इलेक्ट्रिक वायर के बंडल आदि चोरी कर लिए। गृह स्वामी श्रम मंत्रालय भारत सरकार के अधीन मुंबई क्षेत्र में कार्यरत है।

सेक्टर-62 नोएडा के रजत बिहार में रहने वाले नरेंद्र कुमार मिश्रा ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि वह श्रम मंत्रालय के अधीन मुंबई क्षेत्र में कार्यरत है। उसने ग्रेटर नोएडा वेस्ट के सेक्टर-12 सैनी में 6 प्रतिशत किसान कोटा का प्लॉट खरीदा हुआ है। इस प्लॉट पर वह निर्माण कार्य कर रहे हैं। 18 अगस्त की रात्रि को अज्ञात चोरों ने उनके निर्माणाधीन मकान का ताला तोड़कर मकान में लगे सभी ब्रॉस के नल, पाइप, इलेक्ट्रिक वायर के बंडल आदि चोरी कर लिए। 19 अगस्त की सुबह टाइल पत्थर कारीगर राजेश कुमार जब काम करने के लिए मकान पर पहुंचा तो उसे ताला टूटा हुआ और सामान गायब मिला। **(शेष पृष्ठ-3 पर)**

वकील से जालसाजों ने लाखों रुपये हड़पे

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। इन्वेस्ट का बेहतर मुनाफा देने का झांसा देकर जालसाजों ने एक अधिवक्ता से 5 लाख रुपए हड़प लिए। पीड़ित ने जब उनके खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करानी चाहिए तो पुलिस ने सुनवाई नहीं की। अधिवक्ता ने न्यायालय में प्रार्थना पत्र देकर गुहार लगाई। न्यायालय के निर्देश पर तीन आरोपियों के खिलाफ थाना बिसरख में मुकदमा दर्ज किया गया है।

यूसुफपुर चक शाबेरी निवासी एडवोकेट भानु प्रताप ने न्यायालय में दिए गए प्रार्थना पत्र में बताया कि अपने मित्र के जन्मदिन पर उसकी मुलाकात मित्र के जीजा विकास झा से हुई। विकास झा नंदग्राम गाजियाबाद में रहता है। मुलाकात के दौरान विकास झा ने उसके सामने प्रस्ताव रखा कि अगर वह कुछ बचत करना चाहता है तो उसके पास इन्वेस्टमेंट कर सकता है। वह राज्य सरकार द्वारा अधिकृत है और कई इन्वेस्टमेंट ग्रुप स्कीम चलता है। विकास झा की बातों में आकर उसने उसके पास 500000 इन्वेस्ट कर दिए। यह पैसे 20 माह के लिए इन्वेस्ट किए गए थे।

अधिवक्ता भानु प्रताप के मुताबिक विकास झा अपनी पत्नी कृतिका झा तथा साथी धीरज गुप्ता के साथ इन्वेस्टमेंट करने का काम करता है। जनवरी 2025 में विकास झा ने बताया कि स्कीम में 4 माह शेष बचे हैं। **(शेष पृष्ठ-3 पर)**

मॉर्निंग वॉक पर निकले व्यक्ति से चेन झपटी

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना बीटा-2 क्षेत्र में मॉर्निंग वॉक करने निकले एक व्यक्ति के गले से बाइक सवार बदमाश चेन झपट कर फरार हो गए। पीड़ित ने अज्ञात बदमाशों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है।

सीनियर सिटिजन सोसायटी में रहने वाले पारस भाटी ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि वह **(शेष पृष्ठ-3 पर)**

प्रतिबंधित पटाखों के साथ गिरफ्तार

नोएडा (चेतना मंच)। थाना सेक्टर-24 पुलिस ने अवैध रूप से पटाखे बेच रहे एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। इसके पास से प्रतिबंधित पटाखे बरामद हुए हैं।

थाना प्रभारी सुबोध कुमार ने बताया कि पुलिस टीम क्षेत्र में गश्त पर थी। इस दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि सेक्टर-12 की वी ब्लॉक मार्केट में एक दुकानदार चोरी छुपे पटाखे बेच रहा है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और पटाखे बेच रहे सूर्यकांत पुत्र सूर्य कैलाश नारायण को हिरासत में ले लिया। दुकान की तलाशी लेने पर वहां से प्रतिबंधित पटाखे बरामद हुए। पूछताछ में सूर्यकांत ने बताया कि वह दीपावली पर मुनाफा कमाने के इरादे से प्रतिबंधित पटाखे बेच रहा था। आरोपी बी ब्लॉक मार्केट में कपड़े की दुकान चलाता है। आरोपी के खिलाफ विस्फोटक अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया गया है।

दंपत्ति ने एयरफोर्स कर्मी से की मारपीट

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना जेवर क्षेत्र के ग्राम अहमदपुर चोरोली में पड़ोसी दंपत्ति ने एयरफोर्स कर्मी के साथ मारपीट की। आरोपियों ने एयरफोर्स कर्मी के घर में घुसकर उसकी पत्नी को भी पीटा। इस दौरान आरोपियों ने उसका मोबाइल फोन भी तोड़ दिया।

ग्राम अहमदपुर चारोली निवासी राजकुमार जनमैदा ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि वह वर्तमान में कोयंबटूर तमिलनाडु के एयर फोर्स स्टेशन पर तैनात है और छुट्टी लेकर अपने गांव आया हुआ है। उसका गांव में मकान बना हुआ है जिसके पास बगीचा भी है। मकान में बगीचे की चारदीवारी को वह मजदूरों से सही करा रहा था। इस दौरान गांव का ही कुलदीप कुमार उर्फ mona मौके पर पहुंचा और गाली गलौज शुरू कर दी। उसने जब इस बात का विरोध किया तो आरोपी ने उसके साथ मारपीट की। कुलदीप कुमार की पत्नी पुष्पा देवी ने उसे पर डंडे से वार करना शुरू कर दिया। इस दौरान कुलदीप ने उसके हाथ से मोबाइल फोन छीन कर उसे तोड़ दिया।

कुलदीप कुमार ने एक हाथ से उसकी गर्दन दबा रखी थी और दूसरे हाथ से उस पर ईट से प्रहार कर रहा था। इसके बाद कुलदीप उसकी पत्नी पुष्पा देवी उसके घर में घुस गए **(शेष पृष्ठ-3 पर)**

दुकानदार ने महिला का हाथ तोड़ा

नोएडा (चेतना मंच)। दुकान पर सामान लेने गई एक महिला के साथ दुकानदार ने गाली-गलौज कर मारपीट की। मारपीट में महिला का हाथ टूट गया। महिला के पति ने आरोपी के खिलाफ थाना फेस-2 में मुकदमा दर्ज कराया है।

ककराला कॉलोनी में रहने वाले ताहिर ने बताया कि 17 अक्टूबर की रात्रि को उसकी पत्नी जोहरा तथा उसकी बेटी जेस्मीन व मुस्कान पड़ोस में दुकान चलाने वाले रामकुमार की दुकान पर सामान लेने के लिए गई थी। सामान खरीदने के दौरान किसी बात को लेकर रामकुमार आग बबूला हो गया और उसकी पत्नी के साथ अभद्र व्यवहार करने लगा। **(शेष पृष्ठ-3 पर)**

ठेकेदार से रंगदारी मांगने वाले बदमाश को पुलिस ने किया लंगड़ा

लूटपाट में शामिल दो बदमाश मुठभेड़ में घायल

गाजियाबाद (ब्यूरो)। स्वाट टीम, अपराध शाखा कमिश्नरेट गाजियाबाद व थाना टीला मोड पुलिस टीम ने रंगदारी के मामले में फरार चल रहे एक बदमाश को मुठभेड़ के दौरान घायल अवस्था में गिरफ्तार किया है। वहीं थाना मोदीनगर पुलिस ने लूटपाट करने वाले दो बदमाशों को मुठभेड़ के दौरान पकड़ा है।

सहायक पुलिस आयुक्त शालीमार गार्डन अतुल कुमार सिंह ने बताया कि थाना ट्रोनिका सिटी पर पचायरा खनन प्वाइंट पर चल रहे खनन पट्टे पर मण्डोली जेल दिल्ली में निरूद्ध कुख्यात अपराधी दीपक निवासी अगरौला थाना ट्रोनिका सिटी गाजियाबाद व उसके साथियों द्वारा **(शेष पृष्ठ-3 पर)**

RADIANT ACADEMY
(AFFILIATED TO CBSE)
B-180, sector-55, noida Ph: 120-4314312/ 6514636
Mob. : 9350251631/ 9674710772 E-mail: radiantacademynoida@yahoo.com
RADIANT ACADEMY
(J.H.S.) (AFFILIATED TO CBSE)
Sorkha, Sector- 115, noida on Fng Ph: 120- 6495106,
Mob. : 9873314814/ 9674710772 E-mail: radiantacademysorkha@yahoo.com
Let your child Explore the world with us in a Secure Environment!
We are a Co-Educational Medium Senior Secondary School
imparting quality education since the last 20 years.
FROM ADMISSION OPEN NURSERY TO CLASS XI Transport Facility Available
FACILITIES AVAILABLE AT SCHOOL : ●Highly Qualified And Trained Faculty well Quipped Labs ●CCTV Controlled Environment ●Activity Based Learning ● Well Equipped Library ●GPS Enable Buses

त्यौहार की धूम, एक्सप्रेस-वे व बाजारों में भीषण जाम

दिल्ली/नोएडा (चेतना मंच)। राजधानी दिल्ली सहित एनसीआर में धनतेरस, दीपावली सहित अन्य त्योहारों की धूम देखी जा रही है। बाजारों में लोगों की भारी भीड़ नजर आ रही है। एक्सप्रेसवे पर भी भीड़ देखी जा रही है। आलम यह है कि आगरा, यमुना जैसे एक्सप्रेसवे के टोल प्लाजा पर कई किलोमीटर से भी ज्यादा का जाम लग गया है। जिससे लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। ट्रेनों में भी बुरा हाल है। जनरल कोच में लोगों को भीड़ के चलते बाथरूम में भी सफर करना पड़ रहा है। वहीं एसी कोच में भी चढ़ने के बाद अपनी सीट तक पहुंचने में लोगों को घंटों लग जा रहे हैं।

दरअसल, इस बार दीपावली सोमवार को पड़ रही है। ऐसे में शनिवार और रविवार को भी साप्ताहिक अवकाश है। इसके चलते दिल्ली एनसीआर में रहकर नौकरी करने वाले लोग अपने घरों के लिए शुक्रवार की रात व शनिवार की सुबह निकले हैं। जिस कारण यमुना एक्सप्रेसवे के टोल प्लाजों पर भीषण जाम लग गया है। दिल्ली के लाजपत नगर सेंट्रल मार्केट में भी लोगों की सुबह से भारी भीड़ नजर आ रही है। बड़ी संख्या में ग्राहक बाजार पहुंच रहे हैं और खरीदारी कर रहे हैं। वहीं इस दौरान भीड़ मैनेजमेंट के तमाम इंतजाम किए गए हैं। **(शेष पृष्ठ-3 पर)**

उप निबंधक कार्यालयों में तैनात होंगे भूतपूर्व सैनिक और होमगार्ड

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। उत्तर प्रदेश के स्टाम्प एवं पंजीयन मंत्री रवेन्द्र जायसवाल ने बताया उत्तर प्रदेश शासन ने प्रदेश के 380 उप निबंधक कार्यालयों की सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक प्रभावी एवं व्यवस्थित बनाने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। शासन ने निर्देश जारी करते हुए कहा है कि सभी उप निबंधक कार्यालयों में सुरक्षा गार्ड के रूप में भूतपूर्व सैनिकों एवं होमगार्डों की तैनाती की जाएगी ताकि अभिलेखों, संपत्ति पंजीकरण दस्तावेजों एवं कार्यालय परिसरों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

मुख्य सचिव अमित गुप्ता द्वारा महानिरीक्षक निबंधन, उत्तर प्रदेश लखनऊ को संबोधित पत्र के माध्यम से कहा गया है कि शासन द्वारा पूर्व में भेजे गए प्रस्ताव के अनुरूप प्रदेश के 380 उप निबंधक कार्यालयों की सुरक्षा हेतु कुल 315 भूतपूर्व सैनिकों एवं 789 होमगार्डों की व्यवस्था की जाएगी। इस व्यवस्था के लिए शासन स्तर से कुल वार्षिक व्यय 40,53,82,883.64 (चालीस करोड़ तिरपन लाख बयासी हजार आठ सौ तिरासी रुपये चौसठ पैसे) की स्वीकृति प्रदान की गई है।

शासनादेश में स्पष्ट किया गया है कि इन सुरक्षा सेवाओं की तैनाती उत्तर प्रदेश भूतपूर्व **(शेष पृष्ठ-3 पर)**

om
EVER GREEN
SWEETS
धनतेरस एवं दीपावली
की हार्दिक शुभकामनाएं
आपके शहर में विश्वसनीय, शुद्धता एवं स्वच्छता के लिये मशहूर प्रतिष्ठान
काजू कतली, डोडा बर्फी, रसमलाई, स्पंज रसगुल्ला, पनीर, जलेबी,
इमरती, सोनपापड़ी, बालूशाही, मोतीचूर लड्डू, बर्थडे केक,
पेस्ट्री चॉकलेट, पेटिज, बर्गर, पिज्जा, गोलगप्पे, टिक्की, छोले भटूरे,
पॉवभाजी, स्पेशल वैज थाली, समोसे, ब्रेड पकोड़ा, ढोकला इत्यादि ।
नोट: शुभ अवसरों पर कैटरिंग की भी व्यवस्था है।
Shop No. 16, Bougainvillea Shopping Complex, Sector Gamma-II (Near Gr. Noida Authority) Greater Noida Ph.: 0120-4283052 Mob.: 9210005711
ALPHA II: Shop No. 4, Satyam Shopping Complex, Sector Alpha-II Gr. Noida, Mo.: 9643692200
OMEGA II: Shop No. 1, Star Plaza Ansal Golf Link, Mob.: 9990491275, 9210080229
Sector 36: Shop No. 8, Greno City Plaza, Opp. Ivory Hospital, Sector-36, Mob.: 9811900795
CHI-V: Shop No. 39 & 40 Nimbus Express View Opp. Poorvanchal Royal City Mob. 8448818119
OMICRON 3: Shop No.1, Pulmeria Garden Shopping Complex, Mob.:8882462343
Sector 134: Shop No.1, JP Green Wish Town, Wazidpur, Noida Mob.: 9667773004, 8750355500
9210005711, 9313422939, 0120-4283052
Branch : Shop No.8, Greno Plaza, Opporite Ivory Hospital, Sec.-36, GB Nagar Mob.: 9811900795, 8882462343

कांटों का ताज

पहली नजर में बड़े पद की चमक-दमक का अपना सम्मोहन होता है, लेकिन हकीकत में जिम्मेदारी-जवाबदेही व विपरीत चुनौतियों में सामंजस्य बैठाना कांटों का ताज पहनने जैसा ही होता है। अंतहीन जन-अपेक्षाओं की कसौटी पर खरा उतरना उतना ही कठिन होता है। वैसे किसी सत्ता का एक साल बहुत लंबी अवधि नहीं होती। उसके आधार पर अंतिम मूल्यांकन करना भी जल्दबाजी ही कही जाएगी, लेकिन इससे किसी नेतृत्व या सरकार की दिशा-दशा को बोध तो हो जाता है। कमोबेश, यह कसौटी हरियाणा में एक साल पूरा कर रही नायब सैनी सरकार के लिये भी है। सामाजिक न्याय के समीकरण संतुलन की कवायद के क्रम में भाजपा सरकार में मुख्यमंत्री पद तक पहुंचने वाले नायब सैनी की इस पद पर ताजपोशी, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल की पसंद रही है। जब नरेंद्र मोदी चंडीगढ़-हरियाणा में संगठन का दायित्व निभा रहे थे, तो सैनी उनके कार्यालय सहयोगी थे। इस मायने में बिना राजनीतिक व समृद्ध आर्थिक पृष्ठभूमि के राज्य के मुख्यमंत्री पद तक पहुंचने को एक बड़ी कामयाबी कहा जा सकता है। उनके राजनीतिक विरोधी भी उनकी सदाबहार मुस्कान-विनोदप्रियता के कायल रहे हैं। वे विपक्षी दलों के वरिष्ठ नेताओं को सम्मान सार्वजनिक रूप से देते नजर आते हैं, लेकिन पिछले विधानसभा सत्र में मुद्दों पर विपक्षी नेताओं को आड़े हाथों लेने से भी वे नहीं चूके। वैसे तो उनके एक साल के कार्यकाल में कई चुनौतियां सामने आती-जाती रही हैं, लेकिन हाल ही में एडीजीपी वाई.पूरन कुमार व एएसआई संदीप लाठर की आत्महत्या ने सरकार के सामने असहज स्थिति व बड़ी चुनौती पेश की। हालांकि, देर से ही सही फौरी तौर पर मामले का पटाक्षेप हुआ, लेकिन इस दौरान मुख्यमंत्री ने मुद्दे की संवेदनशीलता को महसूस कर कदम बढ़ाए। एडीजीपी द्वारा आत्महत्या की खबर उन्हें जापान दौरे के दौरान मिली तो उन्होंने दौरे में शामिल उनकी पत्नी अमनीत को अधिकारियों के साथ तुरंत भारत भेजा। भारत आते ही खुद भी वे सीधे एडीजीपी के घर संवेदना व्यक्त करने पहुंचे, तो एएसआई संदीप लाठर के घर भी परिवार को संबल देने गए। बहरहाल, ट्रिपल इंजन सरकार का लाभ नायब सैनी को जरूर मिला है। कई विकास योजनाएं कायदे से सिरे चढ़ी हैं। लेकिन लाडो लक्ष्मी योजना ट्रंप कार्ड साबित हुई है। विधानसभा चुनावों में इस योजना के वायदे का छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र चुनावों की तर्ज पर हरियाणा में भी भाजपा को खासा लाभ मिला। मिले परिणामों ने तमाम कयासों को निरर्थक साबित किया। हर जरूरतमंद महिला को सरकार की तरफ से 21 सौ रुपये मिलना, उन्हें आर्थिक स्वावलंबन देना ही है। पहले चरण में बाइस लाख महिलाओं को इस योजना का लाभ मिलेगा। निस्संदेह, कमजोर वर्ग के लोगों के लिये अपनी छत का सपना पूरा करना एक दुष्कर कार्य है। हरियाणा सरकार ने दस हजार से अधिक आबादी वाले महाग्रामों में गरीबों को पचास-पचास गज व छोटे गांवों में सौ-सौ गज के प्लाट उपलब्ध कराये। शहरों में ये 25 गज के रहे। वहीं प्रधानमंत्री आवास निर्माण योजना के तहत मिलने वाले ढाई-ढाई लाख रुपये ने उनके घर के सपने को हकीकत बनाया। मुख्यमंत्री नायब सैनी की खासियत लोगों के साथ सहज उपलब्धता है। उनकी सुबह कबीर कुटीर में जन संवाद से शुरू होती है और रात फाइलों के साथ खत्म होती है। जनता के लिये सहज उपलब्धता और निरंतर संवाद लोकतंत्र की अपरिहार्य शर्त होती है। उनके चंडीगढ़ आवास में सुबह से ही मिलने वाले लोगों का तांता लगा रहता है। निस्संदेह, आम जन ही सरकार को बेहतर फीडबैक दे सकते हैं, जो नौकरशाही की जटिलताओं के चलते सहज अभिव्यक्ति नहीं दे पाते। बेरोजगारी की समस्या किसी भी सरकार के लिये बड़ी चुनौती होती है। राज्य में चौबीस हजार बेरोजगारों को ग्रुप सी की नौकरियां देना राज्य सरकार की उपलब्धि के तौर पर देखा गया। वहीं लोकसेवा आयोग के माध्यम से 1311 पदों पर चयन और एचकेआरएन पोर्टल को पारदर्शी भर्ती प्रणाली के रूप में विकसित करना, राज्य सरकार की रोजगार के साथ स्थायित्व की नीति का संकेत माना जा सकता है। विश्वास किया जाना चाहिए कि नायब सरकार आने वाले चार सालों में जनाकांक्षाओं की कसौटी पर पूरी तरह खरी उतर पाएगी।

यूपी की राज्यपाल महिलाओं–बच्चों की बदहाली पर चुप क्यों?

उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने लिव-इन रिलेशनशिप को लेकर एक बार फिर चौंकाने वाला बयान दिया है। उन्होंने महिलाओं और छात्राओं को चेतावनी दी कि अगर सावधानी नहीं बरती गई तो परिणाम भयावह हो सकते हैं। पटेल का कहना है कि दूर रहें, वरना आप 50 टुकड़ों में मिलेंगी। यह टिप्पणी उनके पिछले दावे के ठीक अगले दिन आई, जिसमें उन्होंने कहा था कि लिव-इन रिलेशनशिप का असर देखने के लिए किसी अनाथालय में जाना चाहिए, जहाँ 15 साल की लड़कियाँ अपने बच्चों के साथ कतार में खड़ी होती हैं। राज्यपाल ने विश्वविद्यालयों और न्यायाधीशों के साथ बैठक में भी छात्रों को लिव-इन रिलेशनशिप से बचाने के उपाय सुझाए थे।

राज्यपाल पटेल का यह बयान निश्चित तौर पर युवतियों को जागरुक करने वाला और लिव इन रिलेशनशिप के खतरों से आगाह करने वाला है। सवाल यही है कि क्या उत्तर प्रदेश की युवतियों और महिलाओं के समक्ष यही एक खतरा है। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल ने महिलाओं से जुड़े सिर्फ एक खतरे के सावचेत रहने की सीख दी है। लिव इन रिलेशनशिप के नकारात्मक पहलू हैं जरूर, लेकिन इस चलन अभी व्यापक रूप से नहीं है। महिला राज्यपाल उत्तर प्रदेश में महिलाओं से जुड़े अन्य खतरों को अनदेखा कर गई, क्योंकि शायद वहां भाजपा की सरकार है। अन्य खतरे लिव इन रिलेनशिप से कहीं ज्यादा गंभीर है। इनका निदान भी सरकार के लिए आसान नहीं है। राज्यपाल ने कभी इन खतरों का जिक्र तक नहीं किया।

राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के आंकड़ों के मुताबिक वर्ष 2023 में महिलाओं के खिलाफ अपराध के कुल 4,48,211 मामले दर्ज किए गए। इनमें उत्तर प्रदेश में सबसे अधिक 66,381 मामले, उसके बाद महाराष्ट्र में 47,101 और राजस्थान में 45,450 मामले दर्ज किए गए। इन तीनों राज्यों में से महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश में वर्ष 2023 में भी भाजपा की सरकारें थी। ऐसे में भाजपा महिला अपराधों की जिम्मेदारी से भाग नहीं सकती। महिलाओं से जुड़े साइबर अपराधों में लखनऊ का देश में चौथा स्थान है, जिसमें अश्लील फोटो-वीडियो और फेक कंटेंट जैसे मामले शामिल हैं। इस श्रेणी में लखनऊ से आगे बैंगलुरु, हैदराबाद और दिल्ली हैं।

उत्तर प्रदेश जहां महिला अपराधों में अग्रणी है, वहीं महिलाओं और बच्चों के अन्य मामलों में पिछड़ा हुआ है। देश के 13 राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश के 63 जिलों में 50 फीसदी से अधिक बच्चे आंगनवाड़ियों में नामांकित हैं और कुपोषित पाए गए हैं, जिनमें से 34 जिले अकेले उत्तर प्रदेश के हैं। महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के जून 2025 के पोषण ट्रैकर के अनुसार महाराष्ट्र, झारखंड, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और असम के कुछ जिले सबसे ज्यादा प्रभावित हैं। उत्तर प्रदेश में सबसे ज्यादा 34 जिले ऐसे हैं जहां बच्चों में कुपोषण की दर 50 फीसदी से अधिक है। इसके बाद मध्य प्रदेश, झारखंड, बिहार और असम का स्थान है।

उत्तर प्रदेश में स्कूलों में 21.83 लाख नामांकन पिछले साल की तुलना में कम हुए, जबकि बिहार में 6.14 लाख, राजस्थान में 5.63 लाख और पश्चिम बंगाल 4.01 लाख नामांकन कम हुए हैं। उत्तर प्रदेश में मील कवरेज में 5.41 लाख छात्रों की कमी आई।

केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा जारी वार्षिक स्वास्थ्य रिपोर्ट (2024-25) के अनुसार, विगत वर्षों में सुधार के बावजूद उत्तर प्रदेश भारत में सबसे अधिक बाल मृत्यु दर वाले राज्यों में शामिल है। रिपोर्ट के अनुसार उत्तर प्रदेश में प्रत्येक 1,000 बच्चों में से 43 बच्चे अपने पाँचवें जन्मदिन से पहले मर जाते हैं। वर्तमान शिशु मृत्यु दर (आईएमआर) 1,000 जीवित जन्मों पर 38 है, जबकि नवजात मृत्यु दर(आईएमआर) 28 है। यूनिसेफ इंडिया रिपोर्ट 2020 के अनुसार लगभग 46त्न मातृ मृत्यु और 40त्न नवजात मृत्यु प्रसव के दौरान या जन्म के बाद पहले 24 घंटों के भीतर हो जाती हैं।

उत्तर प्रदेश में स्कूलों में 21.83 लाख नामांकन पिछले साल की तुलना में कम हुए, जबकि बिहार में 6.14 लाख, राजस्थान में 5.63 लाख और पश्चिम बंगाल 4.01 लाख नामांकन कम हुए हैं। उत्तर प्रदेश में मील कवरेज में 5.41 लाख छात्रों की कमी आई। यूनिफाइड डिस्ट्रिक्ट इन्फॉर्मेशन सिस्टम फॉर एजुकेशन (यूडीआइएसई) की वर्ष 2023-24 की रिपोर्ट के अनुसार, उत्तर प्रदेश के 18 प्रतिशत सरकारी स्कूलों, अर्थात लगभग 27,000 स्कूलों के भवन जर्जर स्थिति में हैं। इनमें से कई स्कूलों की छतें और दीवारें खतरनाक स्थिति में हैं। लखनऊ में प्राथमिक विद्यालय और नसीराबाद में छत का प्लास्टर गिरने से दो बच्चे घायल हो गये। नोएडा और गोरखपुर के इलाक़ों से भी ऐसी ही घटनाएँ सामने आ चुकी हैं।

एनुअल स्टेटस ऑफ एजुकेशन (एएसईआर) 2024 की रिपोर्ट बताती है कि उत्तर प्रदेश के 22 प्रतिशत सरकारी स्कूलों में कार्यशील शौचालय ही उपलब्ध नहीं हैं और 35 प्रतिशत स्कूलों में लड़कियों के लिए अलग शौचालय नहीं हैं। लगभग 40 प्रतिशत विद्यालयों में तो नियमित स्वच्छता व्यवस्था ही नहीं है। ग्रामीण क्षेत्रों में यह समस्या और गम्भीर है, जहाँ शौचालयों की कमी के कारण लड़कियों की ड्रॉपआउट दर में 10-12 प्रतिशत की वृद्धि देखी गयी है। शिक्षा मंत्रालय की 2024-25 की रिपोर्ट के अनुसार, उत्तर प्रदेश के 28 प्रतिशत सरकारी स्कूलों में पेयजल की सुविधा नहीं है और 40 प्रतिशत स्कूलों में बिजली कनेक्शन उपलब्ध नहीं है। आश्चर्य यह है कि राज्यपाल आनंदी बेन ने उत्तर प्रदेश में महिलाओं और बच्चों से जुड़े इन मुद्दों का कभी जिक्र तक नहीं किया। बेहतर होता कि जिस तरह राज्यपाल पटेल ने लिव इन रिलेशनशिप से युवतियों को आगाह किया, उसी तरह योगी सरकार को भी आगाह करती तो शायद उत्तर प्रदेश में महिलाओं की मौजूदा हालत बेहतर हो सकती थी।

- योगेन्द्र योगी

(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

रामचरित मानस

पिछले अंक में आपने पढ़ा था कि माथे पर तिलक और पसीने की बूँदें शोभायमान हैं। कानों में सुंदर भूषणों की छबि छाई है। टेढ़ी भौंहें और घुँघराले बाल हैं। नए लाल कमल के समान रतनारे (लाल) नेत्र हैं॥ उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।

चारु चिबुक नासिका कपोला। हास बिलास लेत मनु मोला॥
मुखछबि कहि न जाइ मोहि पाहीं। जो बिलोकि बहु काम लजाहीं॥

ठोड़ी नाक और गाल बड़े सुंदर हैं और हँसी की शोभा मन को मोल लिए लेती है। मुख की छबि तो मुझसे कही ही नहीं जाती, जिसे देखकर बहुत से कामदेव लजा जाते हैं॥

उर मनि माल कंबु कल गीवा। काम कलभ कर भुज बलसींवा॥
सुमन समेत बाम कर दोना। सावँर कुअँर सखी सुठि लोना॥

वक्षःस्थल पर मणियों की माला है। शंख के सदृश सुंदर गला है। कामदेव के हाथी के बच्चे की सूँड के समान (उतार-चढ़ाव वाली एवं कोमल) भुजाएँ हैं, जो बल की सीमा हैं। जिसके बाएँ हाथ में फूलों सहित दोना है, हे सखि! वह साँवला कुँअर तो बहुत ही सलोना है॥

दो0-केहरि कटि पट पीत धर सुषमा सील निधान।
देखि भानुकुलभूषनहि बिसरा सखिन्ह अपान॥

सिंह की सी (पतली, लचीली) कमर वाले, पीताम्बर धारण किए हुए, शोभा और शील के भंडार, सूर्यकुल के भूषण श्री रामचन्द्रजी को देखकर सखियाँ अपने आपको भूल गईं॥

(क्रमशः..)

धनतेरस : क्यों जलाए जाते हैं 13 दीपक और पूजा की सही विधि

धनतेरस से ही दिवाली पर्व का आगाज होता है। इस दिन माता लक्ष्मी, धन कुबेर देव और भगवान गणेश की पूजा की जाती है। धार्मिक मान्यताओं और शास्त्रों में 11, 21, 51, 101, 108 जैसी संख्याओं को शुभ माना जाता है, लेकिन धनतेरस पर घर में 13 दीपक जलाने की परंपरा बहुत प्रचलित है। आइए जानते हैं इसके पीछे का महत्व और सही विधि।

13 दीपक जलाने का महत्व

अंक शास्त्र के अनुसार, 13 नंबर को केवल अध्यात्म से ही नहीं बल्कि तंत्र-मंत्र और स्त्रीत्व से भी जोड़ा जाता है। यह अंक अत्यंत ऊर्जावान माना जाता है।

धनतेरस पर 13 दीपक जलाने की परंपरा का कारण यह है कि हिंदू पंचांग में तेरहवीं तिथि (त्रयोदशी) को भगवान शिव को समर्पित माना गया है। कार्तिक मास की त्रयोदशी को ही धनतेरस के रूप में मनाया जाता है। इसलिए इस दिन 13 दीपक जलाने से घर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है और लक्ष्मी माता का वास होता है।

धनतेरस पर दीपक जलाने का नियम

1. यमराज के लिए चौमुखी दीपक

शाम के समय सबसे पहले यमराज के नाम पर चौमुखी दीपक दक्षिण दिशा में जलाएं।

इसे आप बाजार से मिट्टी का ले सकते हैं या आटे का चौमुखी दीया बनाकर नाली के पास रखें।

2. दीपक की पूजा

दीपक जलाने से पहले जगह की सफाई करें।
पक्की मिट्टी के 12 दीए और 1 कच्ची मिट्टी का दीया पानी में डुबोकर रखें।
रूई की बाती और सरसों का तेल डालकर दीया जलाएं।
दीयों को शुद्ध जल से 3 बार आचमन करें।
दीपक पर रोली और चावल छिड़कें, खील आदि अर्पित करके प्रणाम करें।

3. कुबेर, यम, तुलसी, लक्ष्मी और धन्वंतरि के लिए दीपक

इन पांच देवताओं के लिए अलग दीपक निकालें।
बाकी दीयों को घर की विभिन्न दिशाओं में रखें।

धनतेरस पर दीयों को रखने की दिशा

मुख्य द्वार पर 2 दीए रखें ताकि घर में सकारात्मक ऊर्जा आए।
तुलसी के पौधे के पास 1 दीया रखें।
नाली के पास 1 कच्चा दीया यमराज के नाम पर रखें।
बाथरूम में 1 दीया रखें ताकि घर का नरख समाप्त हो।
नजदीकी चौराहे पर 1 दीया रखें।
दक्षिण दिशा में 4 मुखी वाला दीया रखें, यह मंगल दोष दूर करता है।
उत्तर दिशा में भगवान कुबेर के लिए 1 दीपक रखें।
पश्चिम दिशा में शनि देव के नाम का दीपक जलाएं।

धनतेरस के दिन 13 दीपक जलाने की यह परंपरा न केवल घर में सकारात्मक ऊर्जा लाती है, बल्कि धन और समृद्धि का वास भी करती है। इस दिवाली पर इन सरल विधियों को अपनाकर आप अपने घर में सुख, शांति और समृद्धि ला सकते हैं।

राशिफल

कार्तिक माह, कृष्ण पक्ष, द्वितीय | **(विक्रम संवत् 2082)**

मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)
औषधि इत्यादि में खर्च की अधिकता रहेगी। अनाब-सनाब खर्चे होंगें। सर दर्द, नेत्र पीड़ा, अज्ञात भय।

वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे , वो)
पैतृक संपत्ति को लेकर के विवाद हो सकता है। कोर्ट-कचहरी में नुकसान संभव है। व्यावसायिक स्थिति मध्यम रहेगी।

मिथुन- (का, की, कु, घ, ड , छ, के, हो, हा)
यात्रा का अभी प्रोग्राम न बनाएं। कष्ट हो सकता है। अपमानित होने का भय रहेगा। प्रेम, संतान का साथ होगा।

कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डा)
परिस्थितियां प्रतिकूल हैं। कोई रिस्क न लें। वाहन धीरे चलाएं। तबीयत पर ध्यान रखें।

सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टु, टे)
जीवनसाथी के स्वास्थ्य पर ध्यान दें। स्वयं के स्वास्थ्य पर ध्यान दें। कोई बड़ी नोक-झोक से बचें।

कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)
डिस्टर्बिंग फेस है। स्वास्थ्य प्रभावित दिख रहा है। प्रेम, संतान लगभग ठीक रहेगा।

तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त)
तुला राशि की स्थिति ठीक-ठाक कही जाएगी। लेकिन शत्रु नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे।

वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू)
संतान को लेकर के, जो लोग प्रेम में हैं वो लोग अपने प्रेम को लेकर के, विद्यार्थीगण अपनी पढ़ाई को लेकर के अच्छा फील नहीं करेंगे।

धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ठा, भे)
गृह कलह के संकेत हैं। भूमि, भवन, वाहन की खरीदारी में खलल पड़ सकता है।

मकर- (भो,जा,जी,जू,जे,जो,खा,खी,खू,खे,गा,गी)
व्यापारिक स्थिति में नकारात्मक स्थिति देखकर के मन खराब रहेगा। नाक, कान, गला की परेशानी हो सकती है।

कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, षो, द)
धन हानि के संकेत हैं। जुबान पर काबू रखें और अभी रुपये-पैसे किसी को न दें। या कहीं निवेश न करें।

मीन- (दी, दु, झ, ध, दे, दो, च, चा, चि)
बच्चों की सेहत पर ध्यान दें। प्रेम में तू-तू, मैं-मैं से बचें। निकटता होने के बाद भी दूरी का अहसास होगा।

तैयारी करो, बांके बिहारी करेंगे बेड़ा पार : अरूण सिंह

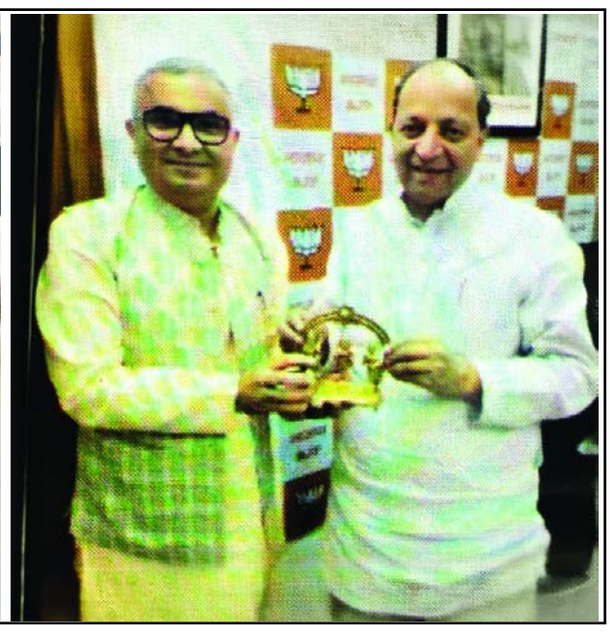

नोएडा (चेतना मंच)। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता तथा समाजसेवी पं. रविकांत मिश्रा ने दीपावली के मौके पर भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री (संगठन) अरूण सिंह से शिष्टाचार मुलाकात की तथा उन्हें दीपावली की शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर अरूण सिंह ने उनसे कहा कि वे मथुरा के बृज क्षेत्र में अपनी तैयारी जारी रखें। बांके बिहारी इस बार बेड़ा पार लगा देंगे। इससे पूर्व पं. रविकांत मिश्रा ने नोएडा में देश के नामचीन कवि तथा 'अपने-अपने राम' के कथावाचक डा. कुमार विश्वास से उनके आवास पर जाकर शिष्टाचार भेंट की तथा दीपावली की शुभकामनाएं दी।

इस मौके पर उनके साथ वरिष्ठ पत्रकार एस.एस. अवस्थी आदि कई लोग मौजूद थे।

दीदी की रसोई ट्रस्ट ने मनाया दीपावली मिलन एवं सम्मान समारोह

नोएडा (चेतना मंच)। 'प्यार और गरिमा के साथ मानवता की सेवा' के प्रति समर्पित दीदी की रसोई ट्रस्ट ने सेक्टर-14 क्लब आरडब्ल्यूए नोएडा में अपने भव्य 'दीपावली मिलन एवं सम्मान समारोह' का सफल आयोजन किया। इस कार्यक्रम में समाज के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान देने वाले कर्मयोगियों को ट्रस्ट अवार्ड से सम्मानित किया गया।

समारोह के मुख्य अतिथि नोएडा के सहायक पुलिस आयुक्त एसीपी प्रवीण कुमार सिंह थे, जिनकी गरिमामयी उपस्थिति ने कार्यक्रम को नई ऊंचाइयां दीं।

इस अवसर पर ट्रस्ट के अध्यक्ष श्रीमती रितु सिन्हा, महासचिव सुरेश अग्रवाल, कोषाध्यक्ष भरत मोहापात्रा और समस्त टीम सदस्य मौजूद रहे।

मुख्य अतिथि एसीपी प्रवीण कुमार सिंह ने अपने संबोधन में दीदी की रसोई ट्रस्ट द्वारा पिछले कई वर्षों से विभिन्न क्षेत्रों में किए जा रहे सामाजिक कार्यों की भूरि-भूरि प्रशंसा की। उन्होंने कहा 'यह ट्रस्ट समाज के लिए बहुत काम कर रहा है। मैं दीदी की रसोई ट्रस्ट की अध्यक्ष श्रीमती रितु सिन्हा को जानता हूं; वह दो दशकों से अधिक समय से विभिन्न क्षेत्रों में सामाजिक कार्य कर रही हैं।'

कार्यक्रम में जिन सम्मानित व्यक्तियों को ट्रस्ट अवार्ड से नवाजा गया, उनमें *दीपक गोस्वामी, प्रदीप चौहान, सुनील गोयल, अनिल कुमार, जीत सिंह अवाना और सतीश नारायण शर्मा शामिल थे।

बचपन बचाओ सेवा समिति ने मनाया दीपावली मिलन समारोह

नोएडा (चेतना मंच)। समाज सेवा और शिक्षा को समर्पित संस्था बचपन बचाओ सेवा समिति ने दीपावली के अवसर पर नोएडा सेक्टर 62 स्थित झुग्गी झोपड़ियां में जरूरतमंद बच्चों के बीच कॉपी किताब, स्कूल बैग व अन्य लेखन सामग्री का वितरण किया। मुख्य अतिथि के रूप में सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता व समाजसेवी अमित यादव व बिजेंद्र यादव शामिल हुए।

संस्था में मुख्य लाल यादव को बचपन बचाओ सेवा समिति के राष्ट्रीय सचिव की जिम्मेदारी दी गई। उत्तर प्रदेश स्ट्रीट वेंडर संगठन का अध्यक्ष बरकत अली व महासचिव अली अकबर को बनाया गया जबकि जिला गौतम बुद्ध नगर का अध्यक्ष कृष्णा शाह, गाजियाबाद का जिलाध्यक्ष विकास गुप्ता व उत्तर प्रदेश युवा संगठन का अध्यक्ष हीरालाल शाह को बनाया गया।

कार्यक्रम में बचपन बचाओ सेवा समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष कैलाश शाह, राष्ट्रीय महासचिव गौरव कुमार यादव, उपाध्यक्ष सुरेश शाह वरिष्ठ अधिवक्ता, अमित यादव, बिजेंद्र यादव कोषाध्यक्ष, मनोज कुमार जायसवाल, राष्ट्रीय सचिव मुखलाल यादव, सुभाष वर्मा ,स्पेनदू सिन्हा, विकास गुप्ता, मुरली शाह, शिवम पांडे ,उमेश बाबू ,विवेक झा, अवधेश सिंह ,प्रदीप शाह ,सरवन शाह ,लक्ष्मी नारायण , उत्कर्ष, मोहम्मद जमील, धर्मवीर, सोनू, उमेश बाबू, राज किशोर रजनीश ,अनिशुद्दीन इंद्र पहलवान आदि उपस्थित रहे।

ग्रामीणों की समस्याओं के समाधान को लेकर भाकियू ने किया प्रदर्शन

नोएडा (चेतना मंच)। भारतीय किसान यूनियन किसान जुटे। किसानों ने अपनी समस्याओं को लेकर जमकर प्रदर्शन किया और पंचायत का आयोजन किया। किसानों ने अपनी 17 सूत्रीय मांगों का ज्ञापन सिटी मजिस्ट्रेट को सौंपा।

जिलाध्यक्ष अशोक भाटी ने किसानों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि 19 सितंबर को गौतमबुद्धनगर के जिलाध्यक्ष अशोक भाटी के नेतृत्व में शुक्रवार को सेक्टर 19 नोएडा स्थित सिटी मजिस्ट्रेट कार्यालय के बाहर ट्रैक्टरों और वाहनों के साथ भारी संख्या में घोषित धरने को प्रशासन के अनुरोध पर स्थगित किया गया था, लेकिन तब भी किसानों की समस्याओं का कोई समाधान नहीं निकला। अब किसानों का आंदोलन और तेज होगा अगर उनकी समस्याओं का हल नहीं निकाला गया।किसानों ने बिजली, पानी, सड़क, सीवर जैसी बुनियादी सुविधाओं की लंबित समस्याओं को लेकर भी अधिकारियों को अवगत कराया। एनसीआर अध्यक्ष परविंदर अवाना ने कहा कि पंचायत प्रणाली खत्म होने से गांवों की हालत और खराब हो गई है, इसलिए अब किसान यूनियन गांवों की समस्याओं का पूरा ध्यान रखेगी। इस मौके पर सुभाष चौधरी, मनोज मावी, विपिन प्रधान, गजेंद्र रेक्सवाल, अजय गुर्जर, सिंहराज गुर्जर, रामवीर हवलदार सहित अन्य किसान उपस्थित थे।सिटी मजिस्ट्रेट विवेक भदोरिया ने किसानों को आश्वासन दिया कि उनके ज्ञापन को मुख्यमंत्री तक पहुंचाया कर समस्याओं के समाधान के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएंगे।

डिप्टी सीएम से मिले भाजपा नेता

नोएडा (चेतना मंच)। एक प्रतिनिधिमंडल के साथ लखनऊ पहुंचे सफीपुर निवासी इंद्रजीत टाइगर पूर्व जिला अध्यक्ष गजेंद्र मावी व दादरी प्रमुख बिजेंद्र भाटी के साथ संगठन मंत्री धर्मपाल व डिप्टी सीएम बृजेश पाठक से मुलाकात कर प्रदेश के संगठनात्मक व राजनीतिक जिसमें 2027 में होने वाले प्रदेश के चुनावों पर चर्चा करते हुए उन्होंने दादरी विधानसभा पर चर्चा करते हुए आशीर्वाद लिया और संगठन को मजबूत करने की बात कही।

इंद्रजीत टाइगर बहुत लंबे समय से संगठन में कार्य कर रहे हैं और भाजपा के विभिन्न पदों पर रहते हुए संगठन में कार्य कर रहे हैं और दादरी विधानसभा पर टिकट की लाईन में भी लगातार बने हुए हैं।

इंद्रजीत टाइगर की देहात क्षेत्र के साथ-साथ शहरीकरण में भी अच्छी पकड़ है। सर्व समाज के लोग उनसे जुड़े हुए हैं और वह धार्मिक और सामाजिक कार्यों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते रहते हैं।

पराली एवं कूड़ा-करकट जलाने की घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए मुस्तैद प्रशासन

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। जनपद में पराली एवं कूड़ा-करकट जलाने की घटनाओं पर प्रभावी अंकुश लगाने के उद्देश्य से आज जिलाधिकारी मेधा रूपम ने कलेक्ट्रेट सभागार में संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक कर आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए। उन्होंने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनपद में स्वच्छ एवं प्रदूषणमुक्त वातावरण बनाए रखने हेतु सतर्कता बरतते हुए नियमित रूप से निगरानी सुनिश्चित करें।

बैठक में उप कृषि निदेशक राजीव कुमार ने पराली जलाने की रोकथाम के लिए अब तक की गई कार्रवाइयों, किसानों को जागरूक करने के उपायों एवं निगरानी तंत्र की वर्तमान स्थिति के संबंध में जिलाधिकारी को विस्तृत रूप से अवगत कराया।

जिलाधिकारी ने कृषि विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनपद के समस्त किसानों में व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाया जाए, ताकि कोई भी किसान पराली न जलाए। उन्होंने कहा कि पराली का वैज्ञानिक एवं उपयोगी विकल्प के रूप में कम्पोस्ट खाद निर्माण में उपयोग किया जा सकता है या गौशालाओं में चारे के रूप में उपलब्ध कराया जा सकता है। इसके साथ ही जिलाधिकारी ने प्राधिकरण, नगर पालिका परिषद एवं नगर पंचायतों के अधिकारियों को भी निर्देश दिए कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में नियमित निरीक्षण करते रहें तथा यदि कहीं भी कूड़ा-करकट अथवा पराली जलाने की घटना संज्ञान में आती है, तो तुरंत प्रभाव से संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध नियमानुसार जुर्माना लगाने की कार्रवाई सुनिश्चित करें।

जिलाधिकारी ने यह भी कहा कि जनपद में सतत निगरानी दल सक्रिय रखे जाएं और ग्राम स्तर तक पर्यावरण संरक्षण के प्रति संवेदनशीलता विकसित करने हेतु ग्राम प्रधानों, लेखपालों एवं कृषक समूहों को भी इस अभियान में शामिल किया जाए।

इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी डॉ. शिवाकांत द्विवेदी, अपर जिलाधिकारी भू0अ0 बच्चू सिंह, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व अतुल कुमार, सिटी मजिस्ट्रेट विवेक भदौरिया सहित प्राधिकरण, नगर पालिका परिषद एवं नगर पंचायतों के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

पृष्ठ एक के शेष....

पंजाब में गरीब रथ में....

आग की सूचना मिलते ही नगर कौंसिल सरहिंद के दमकल विभाग की गाड़ियां मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया गया। जानकारी के अनुसार यह आग शॉर्ट सर्किट से लगी हुई बताई जा रही है। ट्रेन का एसी डिब्बा (G19, 223125/C) बुरी तरह प्रभावित हुआ, जबकि 2 अन्य डिब्बों को भी नुकसान पहुंचा। उन्हें ट्रेन के बाकी हिस्सों से अलग कर दिया गया। अभी तक किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। हालांकि, ट्रेन से सामान निकालते समय एक महिला झुलस गई है। उसे इलाज के लिए सिविल अस्पताल फतेहगढ़ साहिब भेजा गया है। आग का प्राथमिक कारण शॉर्ट सर्किट माना जा रहा है, क्योंकि प्रभावित डिब्बे इलेक्ट्रिक पैनल वाले डिब्बे के बगल में थे। स्थिति नियंत्रण में है। घटनाक्रम पर नजर रखी जा रही है।

श्रम मंत्रालय के कर्मी के ....

उसने इसकी सूचना तुरंत उन्हें दी। इसके बाद उन्होंने अपनी पत्नी को निर्माणाधीन मकान पर भेजा। नरेंद्र कुमार मिश्र के मुताबिक चोरी गए सामान की कीमत करीब 52000 है। पीड़ित ने ऑनलाइन इसकी शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

वकील से जालसाजों ने.....

जनवरी माह के इन्वेस्टमेंट के 5 लाख रुपए वह किसी और को लेने दे उसे फरवरी माह में पेमेंट कर दी जाएगी। इसके बाद उसे पैसे नहीं दिए गए उसने कई बार विकास झा, कृतिका झा तथा धीरज गुप्ता को फोन कॉल किया लेकिन उन्हें कोई उत्तर नहीं मिला। इस दौरान उन्हें पता चला कि तीनों आरोपियों ने कई अन्य लोगों के साथ भी इसी प्रकार की धोखाधड़ी कर उनके पैसे हड़प लिए हैं। उसने थाना बिसरख आरोपियों के खिलाफ शिकायत की लेकिन पुलिस ने मुकदमा दर्ज नहीं किया। उसके बाद उसने न्यायालय में प्रार्थना पत्र देकर मुकदमा दर्ज किए जाने की गुहार लगाई।

न्यायालय ने सुनवाई के बाद आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किए जाने के निर्देश दिए हैं। थाना बिसरख पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस का कहना है कि यह मामला न्यायालय के निर्देश पर दर्ज किया गया है और उसकी जांच की जा रही है।

मॉर्निंग वॉक पर....

16 अक्टूबर की सुबह अपनी सोसाइटी के बाहर मॉर्निंग वॉकर रहे थे। जैसे ही वह समिति के गेट नंबर एक के आगे निकल तो पीछे से बाइक पर आए दो बदमाशों ने उनकी चेन झपट ली। उन्होंने जब बदमाशों को पकड़ने का प्रयास किया तो वह उन्हें धक्का देकर फरार हो गए। बदमाशों की बाइक की गति तेज होने के कारण वह उसका नंबर नोट नहीं कर पाए।

पुलिस का कहना है कि पीड़ित की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है और बदमाशों की पहचान का प्रयास किया जा रहा है। सोसायटी के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे की फुटेज को खंगाल कर बदमाशों की पहचान का प्रयास किया जा रहा है।

दंपत्ति ने एयरफोर्स कर्मी से....

और उसकी पत्नी मीनू जन्मेजा के साथ भी मारपीट की। मारपीट में दोनों को गंभीर चोटें आई हैं । शोर सुनकर ग्रामीण मौके पर इकट्ठा हो गए। इसके बाद आरोपी जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गए। पीड़ित के मुताबिक आरोपी व उसके परिवरीजन उस पर झूठे आरोप लगाकर नौकरी छुड़वाने की धमकी भी देते हैं। पीड़ित की शिकायत पर थाना जेवर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है।

दुकानदार ने महिला का हाथ....

उसकी पत्नी ने जब इस बात का विरोध किया तो रामकुमार ने उसके साथ मारपीट की। मारपीट की वजह से उसकी पत्नी का हाथ टूट गया। इस बात की जानकारी मिलने पर वह मौके पर पहुंचा और विरोध जताया तो रामकुमार ने जान से मारने की धमकी दी।

पीड़ित के मुताबिक उसने अपनी पत्नी को उपचार के लिए एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया है। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है।

ठेकेदार से रंगदारी मांगने....

खनन पट्टे के ठेकेदार से मोबाइल फोन पर दीपक व उसके अन्य साथी कैलाश आदि के द्वारा लगातार अपनी रेत की गाडियों को भरवाने के लिए व 1 लाख रूपये प्रतिमाह रंगदारी माँगने के लिए लगातार दबाव बनाया जा रहा था तथा रंगदारी न देने पर दीपक व उसके अन्य साथियों द्वारा ठेकेदार को जान से मारने की धमकी दी जा रही थी। थाना वेव सिटी पर दीपक व उसके साथी कैलाश व अन्य 2 साथियों के विरूद्ध मुकदमा दर्ज किया गया था।

स्वाट टीम गाजियाबाद व थाना टीला मोड पुलिस टीम ने मुठभेड के दौरान रंगदारी मामले में वांछित कैलाश पुत्र स्व0 चन्द्रपाल निवासी ग्राम अगरौला थाना ट्रोनिका सिटी को गिरफ्तार किया। कैलाश के पैर में गोली लगी है। पूछताछ में कैलाश ने बताया कि उसके गाँव का दीपक मण्डोली जेल दिल्ली में बन्द है जो उसका रिश्ते मे चाचा लगता है, दीपक ने जेल से उसके पास फोन करके बताया था कि पचायरा खनन पट्टे पर ठेकेदार को धमकाकर दीपक के हिसाब से रेत की गाडी भरवाने और 1 लाख रूपये प्रतिमाह रंगदारी देने के लिये बोला था। गिरफ्तार कैलाश ने ठेकेदार को फोन करके व व्यक्तिगत रूप से अपने साथियों के साथ पचायरा खनन पट्टे पर जाकर जान से मारने की धमकी देते हुए रंगदारी मांगी थी।

वहीं थाना मोदीनगर पुलिस ने भी चैकिंग के दौरान हुई मुठभेड़ में लूटपाट करने वाले दो बदमाशों को पकड़ा है। सहायक पुलिस आयुक्त मोदीनगर अमित सक्सेना ने बताया कि थाना पुलिस बुदाना की ओर की तरफ आने वाले रोड पर एक मोटरसाइकिल पर सवार दो व्यक्तियों को आता हुआ देखकर पुलिस ने रुकने का इशारा किया गया परन्तु मोटरसाइकिल सवार दोनो व्यक्ति नहीं रुके तथा मोटरसाइकिल को तेजी से मोड़कर दाहिने पड़े खाली मैदान की तरफ भागने लगे। पुलिस ने दोनों का पीछा किया खुद को घिरा देखकर बदमाशों ने पुलिस पर गोली चला दी। जवाबी कार्यवाही में दो बदमाश गोली लगने से घायल हो गया। घायल बदमाश की पहचान आमिर पुत्र रईस निवासी गुर्जरचोक लिसाडी थाना लिसाड़ी गेट जिला मेरठ तथा साजिद पुत्र वाजिद निवासी फ्रेंड्स कॉलोनी लिसाडी मेरठ है। इनके कब्जे से 1 अवैध तमंचा, 1 खोखा कारतूस, 1 जिन्दा कारतूस, लूट की घटना से सम्बन्धी मोबाइल फोन व 1 मोटर साईकिल बरामद हुई।

त्यौहार की धूम.....

पुलिस टीम की तैनाती के साथ ही लगातार सीसीटीवी कैमरे से निगरानी रखी जा रही है. साथ ही लगातार अनाउंसमेंट के जरिए लोगों को सुरक्षा संबंधी निर्देश बताए जा रहे हैं। आज धनतेरस पर भी बाजारों में भारी भीड़ है। नोएडा के सभी प्रमुख बाजारों में लोग जमकर धनतेरस पर खरीददारी कर रहे हैं।

उप निबंधक कार्यालयों में.....

सैनिक निगम लिमिटेड तथा होमगार्ड विभाग के माध्यम से की जाएगी। इसके लिए संबंधित दरों पर भुगतान की व्यवस्था की जाएगी। महानिरीक्षक निबंधन को निर्देश दिए गए हैं कि वे इस व्यवस्था के अंतर्गत न्यूनतम आवश्यकताओं के अनुसार सुरक्षा गार्ड एवं होमगार्डों की तैनाती सुनिश्चित करें और त्वरित स्तर से आवश्यक कार्रवाई कर रिपोर्ट शासन को भेजें।

शासन ने यह भी निर्देश दिया है कि जिन कार्यालयों का संचालन निजी परिसरों या किराए के भवनों में हो रहा है, वहाँ भी सुरक्षा व्यवस्था के लिए भूतपूर्व सैनिकों एवं होमगार्डों की नियुक्ति अनिवार्य रूप से की जाए। इससे अभिलेखों, संपत्ति पंजीकरण दस्तावेजों, कम्प्यूटर प्रणाली एवं अन्य मूल्यवान उपकरणों की सुरक्षा सुनिश्चित होगी। इसके अतिरिक्त, प्रदेश के कुल 269 कार्यालयों में सुरक्षा के लिए 789 होमगार्ड रखे जाने का प्रावधान किया गया है। इनके भुगतान हेतु लगभग 3.37 करोड़ की धनराशि निर्धारित की गई है।

पूर्वोत्तर रेलवे

खुली ई-निविदा

निम्नलिखित कार्य के लिए "खूली" ई-निविदा भारत के राष्ट्रपति की ओर से आमंत्रित की जाती है जो उप मुख्य विद्युत इंजीनियर, कालोनी, पूर्वोत्तर रेलवे, गोरखपुर द्वारा आमन्त्रित की जाती है:- **निविदा सूचना सं. एवं कार्य का विवरण:-** 1. 13-2025-कालोनी, **कार्य का नाम-** गोरखपुर-विभिन्न रेलवे कॉलोनियों में टाइप-I स्पेशल क्वार्टर (60 यूनिट), टाइप-II (332 यूनिट), टाइप-III (33 यूनिट) और टाइप-V (06 यूनिट) क्वार्टर/बंगलों की रीवायरिंग।, **अनुमानित लागत:-** ₹ 3,10,79,694.00, **बयाने की राशि:-**₹ 3,05,400.00, ई-निविदा फार्म का मूल्य - शून्य, कार्य पूर्ण करने की समय / अवधि स्वीकृत पत्र जारी होने के तिथि से:- 12 माह, • ऑनलाइन ई-निविदा जमा करने की तिथि 06.11.2025 समय 15:00 बजे तक, • इस निविदा के विरुद्ध मैनुअल आफर स्वीकार नही किया जायेगा, ऐसे प्राप्त मैनुअल आफर को उपेक्षित कर दिया जायेगा। पूर्ण विवरण एवं निविदा की प्रस्तुत करने के लिए भारतीय रेल के वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर देखे।, • यदि निविदा सूचना में हिन्दी एवं अंग्रेजी में अन्तर होता है तो निविदा सूचना में अंग्रेजी संस्करण ही मान्य होगा।

उप मुख्य विद्युत इंजीनियर/कालोनी
मुजाधि/विद्युत-163 गोरखपुर

ट्रेनों में बीड़ी/सिगरेट न पियें

दैनिक चेतना मंच

भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी (मेंहदीपुर) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।

डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99

RNI No. 69950/98

स्वामी मुद्रक प्रकाशक रामपाल सिंह रघुवंशी ने M/s Sai Printing Press, डी-85 सेक्टर-6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर (यू पी.) से छपवाकर, ए-131 सेक्टर-83, नोएडा से प्रकाशित किया।

संपादक-रामपाल सिंह रघुवंशी

Contact:
0120-2518100,
4576372, 2518200
Mo.: 9811735566,
8750322340

E-mail:
chetnamanch.pr@gmail.com
raghuvanshirampal365@gmail.com
raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in
www.chetnamanch.com

सुरक्षा के नियमों का पालन करके वाहन चलाएं : एआरटीओ

नोएडा (चेतना मंच)। त्यौहार दीपावली, गोवर्धन पूजा, भैयादूज तथा छठ पूजा के दृष्टिगत जनपद

गौतमबुद्धनगर में सुगम एवं सुरक्षित परिवहन व्यवस्था सुनिश्चित किये जाने के लिए सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी(प्रवर्तन) गौतमबुद्धनगर डॉ उदित नारायण पांडेय के कार्यालय स्थित सभा कक्ष में जनपद के बस ऑपरेटर्स की बैठक आयोजित की गयी। बैठक में उपस्थित समस्त बस संचालकों को आगामी त्यौहारों के दौरान यात्रियों की सुविधा एवं सुरक्षा को सर्वोपरि रखते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये। सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन) ने बस संचालकों को निर्देशित किया कि वे यात्रियों से किसी प्रकार का दुर्व्यवहार न करें तथा किसी भी परिस्थिति में निर्धारित किराये से अधिक किराया न वसूलें। सभी बसों की समुचित साफ-सफाई सुनिश्चित की जाये और किसी भी चालक या परिचालक द्वारा मादक पदार्थों का सेवन कर वाहन संचालन कदापि न किया जाये। बसें निर्धारित गति सीमा में संचालित की जायें तथा किसी भी दशा में बस की छत पर सवारियों को न बैठाया जाये। बस चालक एवं परिचालक का स्वास्थ्य परीक्षण अनिवार्य रूप से कराया जाये और केवल चिकित्सकीय रूप से फिट पाए गये कर्मियों से ही संचालन कराया जाये। बसों में निर्धारित सीटिंग क्षमता से अधिक सवारियों को न बैठाया जाये तथा बिना वैध प्रपत्रों के किसी भी वाहन का संचालन कदापि न किया जाये। सभी चालक एवं परिचालक वाहन संचालन के दौरान सुरक्षा मानकों एवं यातायात नियमों का कड़ाई से अनुपालन करें।

खाद्य सुरक्षा विभाग ने 4 खाद्य पदार्थों के नमूने लिए

नोएडा (चेतना मंच)। सहायक आयुक्त खाद्य द्वितीय सर्वेश मिश्रा ने जानकारी देते हुए बताया

कि आज खाद्य सुरक्षा अधिकारी सय्यद इबादुल्लाह एवं अमर बहादुर सरोज की टीम द्वारा सिरसा स्थित नवी कलाकंद भंडार से कलाकंद का 01 नमूना लिया गया। खाद्य सुरक्षा अधिकारी विजय बहादुर पटेल, मुकेश कुमार एवं रविंद्र नाथ वर्मा की टीम द्वारा एछर स्थित सिद्ध बाबा कलाकंद भंडार से कलाकंद का 01 नमूना लिया गया। इसी टीम द्वारा तुगलपुर ग्रेटर नोएडा स्थित अयान डेयरी से पनीर का 01 नमूना लिया गया तथा गोल्फ लिंक ग्रेटर नोएडा पर लक्ष्मी डेयरी बालनपुर अलीगढ़ की गाड़ी से सप्लाई के लिए जा रहे पनीर में से पनीर का 01 लिया गया। इस प्रकार कुल 04 नमूने जांच हेतु संग्रहित कर प्रयोगशाला भेजे जा रहे हैं। जांच रिपोर्ट आने के बाद अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

सहायक आयुक्त खाद्य द्वितीय ने बताया कि आगे भी इसी प्रकार से जिलाधिकारी के निर्देशन में जांच अभियान संचालित करते हुए नमूने संग्रहित करने की कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी, ताकि जनपद वासियों को निर्धारित मानकों के अनुरूप शुद्ध खाद्य एवं पेय पदार्थ उपलब्ध हो सके।

गौतमबुद्धनगर क्षेत्र से सांसद व पूर्व केन्द्रीय मंत्री डॉ. महेश शर्मा ने बिहार के औरंगाबाद में राज्य के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं पूर्व राज्यसभा सांसद गोपाल नारायण सिंह, बिहार प्रदेश के प्रदेश मंत्री (संगठन) तथा एनडीए समर्थित औरंगाबाद विधानसभा सीट से प्रत्याशी त्रिविक्रम नारायण सिंह से शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर चर्चा भी पूर्व केन्द्रीय मंत्री ने पार्टी नेताओं के साथ की।

एडिशनल चीफ सेक्रेटरी से मिले एनईए के सदस्य

लखनऊ (चेतना मंच)। नोएडा एंटरप्रिनियोर्स एसोसिएशन के एक प्रतिनिधिमंडल ने उत्तर प्रदेश अवसंरचना एवं औद्योगिक विकास आयुक्त, नोएडा प्राधिकरण के चेयरमैन (एडिशनल चीफ सेक्रेटरी) दीपक कुमार से लखनऊ में मुलाकात की तथा उत्तर प्रदेश खासकर नोएडा, ग्रेटर नोएडा और यमुना क्षेत्र में औद्योगिक विकास पर चर्चा की।

एनईए के अध्यक्ष विपिन मल्हन के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने (एडिशनल चीफ सेक्रेटरी) दीपक कुमार से भेंट की तथा औद्योगिक विषयों के साथ यूनिफाइड औद्योगिक नीति पर भी चर्चा की।

एनईए के अध्यक्ष विपिन मल्हन ने बताया कि दीपक कुमार का उत्तर प्रदेश एवं विशेष तौर पर नोएडा, ग्रेटर नोएडा एवं यमुना औद्योगिक क्षेत्र के सभी विषयों को लेकर जिस तरह की रुचि दिखाई उससे पता चलता है कि आने वाले समय में उनकी सकारात्मक सोच से प्रदेश में औद्योगिक विकास की रफ्तार में अवश्य तेज़ी आएगी।

इस अवसर पर वरिष्ठ उपाध्यक्ष राकेश कोहली, उपाध्यक्ष सुधीर श्रीवास्तव, सचिव राजन खुराना मौजूद रहे।

नोएडा-ग्रेटर नोएडा में ग्रीन पटाखों की बिक्री शुरू

नोएडा (चेतना मंच)। सुप्रीम कोर्ट से दीपावली पर ग्रीन पटाखे चलाने की मंजूरी मिलने के बाद दीपावली पर पटाखे फोड़ने के लिए हर कोई बेताब है। ग्रीन पटाखों की बिक्री भी अब शुरू हो चुकी है। हालांकि सामान्य पटाखों के मुकाबले ग्रीन पटाखे थोड़े महंगे जरूर हैं लेकिन इनके खरीददारों की कोई कमी नहीं है। नोएडा-ग्रेटर नोएडा में भी ग्रीन पटाखे बिकना शुरू हो गये हैं लेकिन क्या आप जानते हैं कि नोएडा और ग्रेटर नोएडा में आप कहां से ग्रीन पटाखे खरीद सकते हैं।

दीपावली पर वायु प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए पुलिस कमिश्नरेट गौतमबुद्धनगर ने महत्वपूर्ण निर्देश जारी किए हैं। निर्देशों के अनुसार, 18 अक्टूबर से 20 अक्टूबर 2025 तक केवल हरित (ग्रीन) पटाखों की बिक्री की अनुमति दी गई है। कमिश्नरेट ने नोएडा, सेंट्रल नोएडा और ग्रेटर नोएडा जोन में ग्रीन पटाखों की बिक्री के लिए निर्धारित स्थानों की सूची भी जारी कर दी है। पुलिस कमिश्नरेट ने नोएडा जोन में ग्रीन पटाखों की बिक्री के के लिए रामलीला मैदान, सेक्टर-62 एवं रामलीला मैदान, सेक्टर-46 का स्थान निर्धारितर किया है। वहीं सेंट्रल नोएडा जोन में गढ़ी गोल चक्कर के पास कबड्डी ग्राउंड, थाना फेस-3, क्षेत्र में ग्रीन पटाखों की बिक्री कर स्थान निर्धारित किया गया है। इसके

साथ ही ग्रेटर नोएडा जोन में ग्रीन पटाखे रामलीला मैदान, ग्राम ऐच्छर एवं अग्रसेन इंटर कॉलेज का मैदान, कस्बा व थाना दादरी में पटाखे बेचे जाएंगे।

पुलिस कमिश्नरेट ने स्पष्ट किया है कि किसी भी विक्रेता द्वारा नियमों का उल्लंघन किए जाने पर लाइसेंस निरस्त कर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने आम नागरिकों से अपील की है कि वह उच्चतम न्यायालय के निर्देशों का पालन करें ।

एमिटी विवि में तैराकी व खो-खो प्रतियोगिता

नोएडा (चेतना मंच)। एमिटी विवि. में चल रहे 26वें अंतर एमिटी संस्थान खेल प्रतियोगिता संगठन के अंतर्गत विभिन्न प्रतियोगितायें हुई। जिसमें पुरूषों और महिलाओ की 50 मीटर बटरफ्लाई स्ट्रोक प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

पुरूषों की 50 मीटर बटरफ्लाई स्ट्रोक प्रतियोगिता में एमिटी लॉ स्कूल नोएडा के संजय पॉल दिनकर ने प्रथम स्थान, एमिटी इंस्टीटयूट ऑफ सोशियल सांइसेस के अभिनाबा भूयान ने द्वितीय स्थान और एमिटी यूनिवर्सिटी ऑनलाइन के आशीष आर्या ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। महिलाओ की 50 मीटर बटरफ्लाई स्ट्रोक प्रतियोगिता में एमिटी लॉ स्कूल नोएडा की काव्या बारगोती ने प्रथम स्थान, एमिटी स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी की श्रेया बजाज को द्वितीय स्थान और एमिटी इंस्टीटयूट ऑफ साइकोलॉजी एंड एलाइड साइंसेस की उमंग जोशी को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ।

संगठन 2025 में पुरूषों की खो खो प्रतियोगिता का फाइनल मुकाबला एमिटी इंस्टीटयूट ऑफ एप्लाइड साइंस की टीम और एमिटी स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी की टीम के मध्य खेला गया।

जिसे एमिटी स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी की टीम ने 3 अंको से जीत लिया।

घरेलू हिंसा और दहेज उन्मूलन पर जागरूकता कार्यक्रम

नोएडा (चेतना मंच)। जिला प्रोबेशन अधिकारी मनोज कुमार पुष्कर के नेतृत्व में महिला कल्याण विभाग द्वारा मिशन शक्ति अभियान के अंतर्गत घरेलू हिंसा और दहेज उन्मूलन विषय पर एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम बिसरख ब्लॉक के मिल्क लच्छी गांव स्थित आंगनवाड़ी केंद्र में संपन्न हुआ।

कार्यक्रम में महिला कल्याण विभाग की हब टीम से डिस्ट्रिक्ट मिशन कोऑर्डिनेटर मीनाक्षी और जेंडर स्पेशलिस्ट सुनीता ने उपस्थित महिलाओं को घरेलू हिंसा अधिनियम 2005 और दहेज उन्मूलन कानून की विस्तृत जानकारी दी। साथ ही उन्होंने शासन द्वारा संचालित विभिन्न विभागीय योजनाओं जैसे मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना, निराश्रित महिला पेंशन योजना, स्पॉन्सरशिप योजना और वन स्टॉप सेंटर की जानकारी भी साझा की।

इस अवसर पर महिलाओं को महिला हेल्पलाइन नंबरों के बारे में भी जागरूक किया गया और उन्हें अपने अधिकारों के प्रति सजग तथा आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम में स्कूल की अध्यापिकाएं, आंगनवाड़ी कार्यकर्त्रियां तथा स्थानीय महिलाएं बड़ी संख्या में उपस्थित रहीं। महिला कल्याण विभाग, गौतमबुद्ध नगर द्वारा आयोजित यह कार्यक्रम महिलाओं को सशक्त और आत्मविश्वासी बनाने की दिशा में एक सराहनीय पहल के रूप में सराहा गया

किशोरी को भगा ले गया

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना बिसरख क्षेत्र के एक गांव से 13 वर्षीय किशोरी को नाबालिक किशोर बहला फुसलाकर भगा ले गया। आरोपी किशोरी के साथ ही उसके क्लास में पढ़ता था।

थाना क्षेत्र के गांव में रहने वाले राकेश (काल्पनिक नाम) ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि 16 अक्टूबर की रात्रि को उनकी 13 वर्षीय बेटी घर से लापता हो गई। उन्होंने अपनी बेटी की काफी तलाश की लेकिन उसका कोई पता नहीं चला। इस दौरान उन्हें पता चला कि 15 वर्षीय किशोर उनकी बेटी को बहला फुसलाकर भाग ले गया है। आरोपी किशोर किशोरी के साथ ही उसके क्लास में पढ़ता था पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है पुलिस का कहना है कि किशोरी की तलाश की जा रही है।

एडीएम ने करवाई धान की कटाई

नोएडा (चेतना मंच)। जिलाधिकारी गौतमबुद्धनगर मेधा रूपम के निर्देशों पर अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व अतुल कुमार ने तहसील दादरी के ग्राम बिसाहड़ा में खरीफ वर्ष 2025-26 के अंतर्गत धान फसल की क्रॉप कटिंग का स्थलीय निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व खेत पर पहुंचकर किसान गौरव की भूमि गाटा संख्या-1115 पर निर्धारित मानक 10म10म10 त्रिकोण मीटर क्षेत्रफल में धान की कटाई कराई। परीक्षण के उपरांत 12.914 किलोग्राम धान प्राप्त हुआ।

इस अवसर पर अपर सांख्यिकी अधिकारी अलका चौहान, लेखपाल ग्राम बिसाहडा दर्शन सिंह, बीमा कंपनी एआईसी के प्रतिनिधि, संबंधित राजस्व निरीक्षक तथा अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

GRV BUILDCON
Concept to reality
ARCHITECTURE/ CONSTRUCTION / INTERIORS
WE DON'T DESIGN HOME/ OFFICE
WE DESIGN DREAMS!

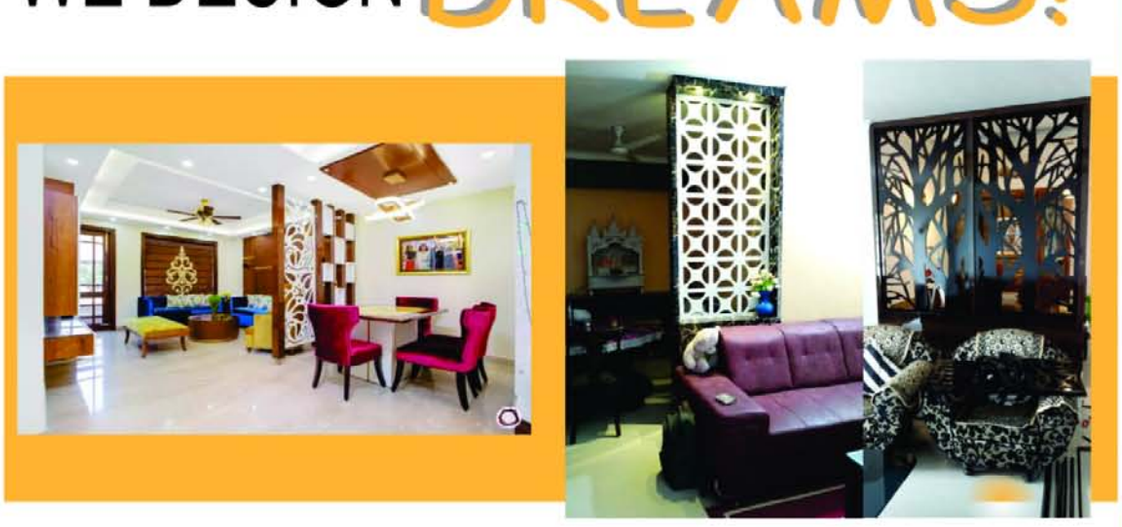

Certified by :
ISO 9001 CERTIFIED
startupindia
MSME
Contact Us : 9999472324, 9999082512
www.grvbuildcon.com

नारियल तेल में मिला लो फ्री की पत्तियां

बालों पर लगाते ही ग्रोथ देख हर कोई करेगा सवाल, पड़ोसन भी होगी बेहाल

लंबे, घने बाल भला किसे पसंद नहीं होते, लेकिन आजकल की भागदौड़ भरी जिंदगी में बालों की लंबाई बढ़ाना एक बड़ी चुनौती बन गया है। हम सभी चाहते हैं कि हमारे बाल तेजी से बढ़ें, पर कई बार जेनेटिक कारणों, तो कभी अनहेल्दी लाइफस्टाइल, तनाव और खराब खान-पान की वजह से बालों की ग्रोथ थम सी जाती है।

सिर्फ ग्रोथ ही नहीं, हेयर फॉल, रूखे-बेजान बाल और अन्य बालों की समस्याएं भी आजकल काफी आम हो चुकी हैं। इन सभी मुश्किलों का एक आसान और प्राकृतिक समाधान है, नारियल का तेल।

लेकिन क्यों न इस साधारण से तेल को थोड़ा और दमदार बनाया जाए? आप घर पर ही नारियल के तेल में कुछ आयुर्वेदिक जड़ी-बूटियां मिलाकर एक बेहतरीन नेचुरल हेयर ऑयल तैयार कर सकते हैं। यह होममेड तेल न सिर्फ आपके बालों के टेक्स्चर को सुधारेगा, बल्कि उनकी ग्रोथ को भी तेजी देगा। तो अगली बार पार्लर जाने से पहले, इस जादुई नुस्खे को जरूर आजमाकर देख लें।

बालों के लिए तेल मालिश के फायदे

बालों की ग्रोथ बेहतरीन हो, इसके लिए सबसे जरूरी है कि आप अपने स्कैल्प की सही तरीके से मालिश करें। यह कोई पुरानी बात नहीं, बल्कि एक जरूरी प्रक्रिया है। जब आप सिर की मालिश करते हैं, तो स्कैल्प की त्वचा में ब्लड सर्कुलेशन तेज हो जाता है। बेहतर सर्कुलेशन का सीधा मतलब है कि बालों की जड़ों को भरपूर पोषण मिल रहा है।आप नारियल के तेल को गुड़हल के फूल और पत्तियों के साथ मिलाकर घर पर ही एक बेहतरीन हर्बल हेयर ऑयल तैयार कर सकते हैं। यह खास तेल न केवल आपके बालों की ग्रोथ को तेज करता है, बल्कि बालों की अन्य कई आम समस्याओं को भी दूर करने में मदद कर सकता है। यह सचमुच आपके बालों के लिए एक जादुई नुस्खा साबित हो सकता है।

हर्बल हेयर ऑयल कैसे बनाएं?

सबसे पहले, गुड़हल के 5-6 फूल और लगभग एक कटोरी पत्तियां लें। इन्हें पानी से अच्छी तरह धोकर साफ कर लें। अब, एक बर्तन में 100 मिली नारियल का तेल गरम करने के लिए रखें। जैसे ही तेल में उबाल आना शुरू हो, उसमें धोए हुए गुड़हल के फूल और पत्ते डाल दें। इन सभी

चीजों को धीमी आंच पर 10 मिनट तक अच्छी तरह उबलने दें, ताकि गुड़हल के सारे पोषक तत्व तेल में समा जाएं। 10 मिनट बाद तेल को आंच से उतार लें और इसे पूरी तरह से ठंडा होने दें।

गुड़हल का हर्बल हेयर कैसे यूज करें?

इस तेल को किसी भी सामान्य हेयर ऑयल की तरह अपने बालों की लंबाई और स्कैल्प में अच्छी तरह लगाएं और हल्की मालिश करें।

तेल लगाने के बाद, इसे लगभग एक से दो घंटे तक बालों में लगा रहने दें, ताकि गुड़हल और नारियल के पोषक तत्व जड़ों तक समा सकें। इसके बाद, अपने बालों को शैम्पू से धो लें।

बालों के लिए गुड़हल के फायदे

गुड़हल के फूल और पत्तों में प्रोटीन, अमीनो एसिड, विटामिन और एंटीऑक्सिडेंट जैसे कई जरूरी पोषक तत्व पाए जाते हैं, जो बालों को मजबूती देने का काम करते हैं। गुड़हल के इस्तेमाल से बालों की ग्रोथ भी बेहतर होती है। डिस्क्लेमरः यह लेख केवल सामान्य जानकारी के लिए है । यह किसी भी तरह से किसी दवा या इलाज का विकल्प नहीं हो सकता । ज्यादा जानकारी के लिए हमेशा अपने डॉक्टर से संपर्क करें । एनबीटी इसकी सत्यता, सटीकता और असर की जिम्मेदारी नहीं लेता है ।

दिवाली पर शुगर कैसे रखें कंट्रोल में

मीठे के साथ खाएं फाइबर-प्रोटीन, इन 14 सावधानियों से नहीं होगा शुगर स्पाइक

दिवाली सेलिब्रेट कर रहे हैं और सेहत के ख्याल में मिठाई न खाएं तो कुछ अधूरा सा लगता है। अगर मिठाई खा लें तो ब्लड शुगर शूट-अप कर जाता है। जिन लोगों को डायबिटीज है, उनके लिए यह सबसे बड़ी मुश्किल है।अगर थोड़ी समझदारी और संयम बरतें तो आप दिवाली में मिठाइयों का पूरा मजा ले सकते हैं। इसमें ब्लड शुगर भी बेकाबू नहीं होगा। भारत में डायबिटिक पेशेंट तेजी से बढ़ रहे हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक, 45 साल से ज्यादा उम्र के लगभग 20% लोग इससे प्रभावित हैं। इसका मतलब है कि भारत में लगभग 5 करोड़ से ज्यादा लोगों को डायबिटीज है। एक बड़ी संख्या उन लोगों की भी है, जिन्हें बॉर्डर लाइन डायबिटीज है।

दिवाली जैसे त्योहारों में घर में ढेर सारी मिठाइयां रहती हैं। रसगुल्ला, गुलाब जामुन या लड्डू में चीनी और घी की मात्रा बहुत ज्यादा होती है। ये चीजें शरीर में तेजी से ग्लूकोज रिलीज करती हैं, जिससे ब्लड शुगर स्पाइक हो जाता है। अगर आप डायबिटिक हैं तो इंसुलिन का बैलेंस बिगड़ सकता है।

अगर डाइट पर ध्यान न दिया जाए तो त्योहार में डायबिटिक लोगों का ब्लड शुगर लेवल लगभग 20-30% तक बढ़ जाता है। मिठाइयों के अलावा तले-भुने स्नैक्स और तनाव भी शुगर लेवल को बढ़ाते हैं। लेकिन अगर आप पहले से प्लानिंग करें तो यह समस्या टाली जा सकती है।

दिवाली में सुरक्षित तरीके से मिठाई कैसे खाएं?

डॉ. बॉबी दीवान कहते हैं कि मिठाई खाएंगे तो उसका नुकसान तो शरीर को होगा। अब करना ये है कि इसे ऐसे खाएं कि स्वाद भी मिल जाए और सेहत पर बहुत अधिक प्रभाव भी न पड़े। इसके लिए सबसे अच्छा तरीका ये है कि मिठाई संयम से खाएं। एक बार में ही बहुत ज्यादा मिठाई न खाएं। इसके लिए एक निश्चित समय तय कर सकते हैं। इसे खाने से पहले पर्याप्त मात्रा में प्रोटीन और फाइबर से भरपूर चीजें खाएं। इसका मतलब ये है कि खूब सारा सलाद खाने के बाद थोड़ी मिठाई खा सकते हैं।

खाली पेट मिठाई न खाएं

खाली पेट मिठाई खाने से ग्लूकोज जल्दी ब्लड में जाता है और शुगर स्पाइक होती है। पेट में थोड़ा प्रोटीन या फाइबर होने से शुगर धीरे-धीरे रिलीज होती है।

खाने में सबसे पहले मिठाई न लें

अगर मिठाई मुख्य भोजन से पहले खाई जाए, तो ब्लड शुगर तेजी से बढ़ता है। पहले सब्जियां, दाल या सलाद लेने से ग्लूकोज धीरे-धीरे एब्जॉर्ब होता है। ज्यादा मिठाई खाने से इंसुलिन पर अचानक दबाव पड़ता है। शरीर इसे कंट्रोल नहीं कर पाता और शुगर तेजी से बढ़ता है।

मिठाई से पहले प्रोटीन और फाइबर लें

प्रोटीन और फाइबर शुगर की एब्जॉर्प्शन को धीमा करते हैं। इससे ब्लड शुगर स्पाइक कम होती है और इंसुलिन बेहतर काम करता है।

ऐसी मिठाई चुनें, जिसमें फैट हो

हेल्दी फैट जैसे ड्राय फ्रूट्स, शुद्ध घी वाली मिठाई शुगर को धीरे-धीरे ब्लड में रिलीज करता है। यह अचानक शुगर बढ़ने से बचाता है।

फैट फ्री और शुगर बेस्ड मिठाई न खाएं

केवल शुगर वाली मिठाई बिना फैट के तेजी से ब्लड शुगर बढ़ाती है। यह इंसुलिन रेसिस्टेंस और वजन बढ़ने का कारण बन सकती है।

आर्टिफिशियल स्वीटनर मिठाई न लें

आर्टिफिशियल स्वीटनर कुछ लोगों में ग्लूकोज मेटाबॉलिज्स को प्रभावित कर सकते हैं। प्राकृतिक और कम शुगर विकल्प सुरक्षित हैं। रात में ब्लड शुगर कम होता है, और मिठाई खाने से सुबह हाइपरग्लाइसीमिया हो सकता है। नींद के दौरान इंसुलिन का स्तर सही नहीं रहता। अगर ज्यादा मिठाई खा ली है तो खाने के बाद आधा कप पानी में एक चम्मच एपल साइडर विनेगर मिलाकर पी लें। इससे ब्लड शुगर तेजी से स्पाइक नहीं होगा। यह इंसुलिन सेंसिटिविटी भी बढ़ाता है।हल्की वॉक या मूवमेंट से ग्लूकोज को मसल्स में इस्तेमाल करने में मदद करता है। इससे ब्लड शुगर तेजी से कम होता है।

त्योहारों पर मिठाइयों में मिलावट

घर पर मिलावट पहचानने के 8 तरीके, मिठाई खरीदते समय ध्यान रखें ये 7 बातें

हाल ही में फूड सेफ्टी डिपार्टमेंट ने नोएडा में 1,100 किलो से ज्यादा मिलावटी मिठाइयां जब्त कर नष्ट कराईं। यह सिर्फ एक उदाहरण है, ऐसे ही देश के तमाम शहरों में दिवाली के दौरान मिलावटखोरी का यही खेल चलता है।दरअसल हर साल दिवाली के समय मिठाइयों की मांग बढ़ जाती है। इस मौके का फायदा उठाकर कुछ मिलावटखोर सस्ते और खतरनाक केमिकल्स का इस्तेमाल करके ज्यादा मुनाफा कमाने की कोशिश करते हैं।मिलावटी मिठाइयां हमारी सेहत के लिए बेहद खतरनाक हैं। यह न सिर्फ पाचन संबंधी समस्याएं बढ़ाती हैं, बल्कि लिवर, किडनी और हार्ट जैसे अंगों को भी नुकसान पहुंचाती हैं। ऐसे में मिलावटी मिठाइयों को पहचान करना जरूरी है।

दिवाली के दौरान मिठाइयों में मिलावट के मामले क्यों बढ़ जाते हैं?

दिवाली जैसे बड़े त्योहार में मिठाइयों की डिमांड कई गुना बढ़ जाती है। ऐसे में मिलावटखोर दूध, खोया, घी, तेल और चीनी जैसी चीजों में सस्ते विकल्प मिलाते हैं। मिलावटखोर दूध में डिटर्जेंट, यूरिया और पानी, खोए में स्टार्च और वनस्पति घी, जबकि घी में पाम ऑयल और हाइड्रोजेनेटेड ऑयल का इस्तेमाल करते हैं। वहीं मिठाइयों को चमकीला बनाने के लिए सिल्वर फॉइल की जगह एल्युमिनियम फॉइल का उपयोग करते हैं, जो सेहत के लिए बेहद नुकसानदायक है।

मिलावटी मिठाइयां खाने से किस तरह की हेल्थ प्रॉब्लम्स हो सकती हैं?

न्यूट्रिशनिस्ट डॉ. अनु अग्रवाल बताती हैं कि मिलावटी मिठाइयां खाने से 24 घंटे के भीतर पेट में इन्फेक्शन, अपच और फूड पॉइजनिंग जैसी समस्याएं हो सकती हैं। लंबे समय में ये शरीर के अन्य ऑर्गन्स को भी प्रभावित करती हैं। लिवर और किडनी पर भी इसका बुरा असर पड़ता है क्योंकि ये केमिकल्स को पूरी तरह फिल्टर नहीं कर पाते हैं। बच्चों और बुजुर्गों में ये प्रभाव और गंभीर हो सकते हैं। नीचे दिए ग्राफिक से मिलावटी मिठाइयां खाने से होने वाली हेल्थ प्रॉब्लम्स के बारे में जानिए-

मिठाइयों में मिलावट की पहचान कैसे की जा सकती है?

मिठाई या उससे जुड़ी सामग्री खरीदने से पहले उसकी क्वालिटी और असली-नकली की पहचान करना बेहद जरूरी है। इसके कुछ आसान तरीके हैं। जैसेकि- दूध से बनी मिठाइयों के सैंपल में आयोडीन की 1-2 बूंदें डालें। अगर रंग नीला हो जाए तो स्टार्च की मिलावट है। खोए की जांच के लिए इसे गर्म पानी में घोलें। अगर झाग बने या गंध अजीब हो तो मिलावटी हो सकता है। घी की शुद्धता जांचने के लिए इसे गर्म करें। अगर इसमें तेज गंध या ज्यादा धुआं हो तो ये मिलावट का संकेत है।सिल्वर फॉइल को रगड़ने पर काला निशान पड़े तो यह एल्युमिनियम है, जो नकली है।शहद में पानी मिलाने पर अगर घुल जाए, तो इसमें चीनी की मिलावट है।जिन मिठाइयों में ज्यादा चमक होती है, उसमें कोडिंग हो सकती है।जो मिठाई लंबे समय से खुले में रखी होती हैं, उनमें धूल, मिट्टी और बैक्टीरिया आ जाते हैं।अगर मिठाई के ऊपर सफेद परत जम गई हो या उसमें नमी हो तो ये बासी या गलत तरीके से स्टोर की गई है।इसके अलावा और भी कुछ तरीके हैं, जिनसे मिठाई में मिलावट की पहचान की जा सकती है।

दिवाली पर मिठाई खरीदते समय किन बातों का ध्यान रखें?

हमेशा भरोसेमंद दुकानों से ही खरीदारी करें। रंग-बिरंगी मिठाइयां खरीदने से बचें क्योंकि इनमें आर्टिफिशियल रंग और केमिकल्स हो सकते हैं।हमेशा फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया सर्टिफिकेशन वाली पैकेज्ड मिठाइयां चुनें, जो क्वालिटी की गारंटी देती हैं। सस्ते ऑफर से सावधान रहें क्योंकि इनमें मिलावट की संभावना ज्यादा होती है। इसके अलावा कुछ और बातों का ध्यान रखें। अगर मिठाई में मिलावट का संदेह हो तो एफएसएसएआई के टोल फ्री नंबर 1800112100 पर शिकायत दर्ज करें या फूड सेफ्टी कनेक्ट ऐप का इस्तेमाल करें। भारत में खाद्य पदार्थों में मिलावट पर 10 लाख रुपए तक जुर्माना और आजीवन कारावास तक का प्रावधान है।

दिवाली पर घरेलू पेट्स की सेफ्टी

पटाखों की आवाज से डर, प्रदूषण से सांस की समस्या

दिवाली रोशनी और खुशियों का त्योहार है। इस दिन लोग अपने घरों को सजाते हैं, मिठाइयां बांटते हैं और उत्साह में पटाखे जलाते हैं। लेकिन यही जश्न कई बार हमारे पालतू जानवरों (पेट्स) के लिए खतरा बन जाता है। देश में हर साल दिवाली के दौरान हजारों पेट्स पटाखों के शोर, प्रदूषण और मिठाइयों के ज्यादा सेवन से बीमार पड़ जाते हैं या तनाव में आ जाते हैं। सड़क पर घूमने वाले जानवर तो शहर के शोर में ढल जाते हैं। लेकिन घरेलू पेट्स जैसे कुत्ते, बिल्लियां और पक्षी पटाखों की तेज आवाज से डर जाते हैं और भागने लगते हैं। अमेरिकन वेटरिनरी मेडिकल एसोसिएशन की रिपोर्ट्स बताती हैं कि पटाखों से पेट्स में एंग्जाइटी, पैनिक अटैक और यहां तक कि हार्ट अटैक जैसी समस्याएं हो सकती हैं। भारत में पीईटीए (पीपल फॉर द एथिकल ट्रीटमेंट ऑफ एनिमल्स) और कई अन्य एनिमल वेलफेयर ऑर्गेनाइजेशन हर साल पशु-पक्षियों की सुरक्षा के लिए अभियान चलाते हैं। इसके बावजूद हर साल दिवाली पर 12-15 हजार पशु-पक्षी घायल हो जाते हैं। ऐसे में दिवाली के दौरान पेट्स का खास ख्याल रखना बेहद जरूरी है, ताकि त्योहार की खुशी उनके लिए मुसीबत न बनने पाए। दिवाली का त्योहार पेट्स के लिए कई तरह के खतरे लाता है। सबसे बड़ा खतरा पटाखों का शोर है, जो पेट्स में एंग्जाइटी, पैनिक और यहां तक कि भागने की वजह बनता है। इसके अलावा प्रदूषण से सांस की समस्या, ज्यादा मिठाइयां और चॉकलेट से गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल प्रॉब्लम्स और जलते दीए या पटाखों से जलने व चोट लगने का खतरा रहता है। यह त्योहार कुत्तों, बिल्लियों और पक्षियों को सबसे ज्यादा प्रभावित करता है क्योंकि उनकी इंद्रियां ज्यादा संवेदनशील होती हैं। नीचे दिए ग्राफिक से दिवाली पर पेट्स को होने वाले मुख्य खतरों को समझिए- पेट्स की सुनने की क्षमता इंसानों से 4-5 गुना ज्यादा होती है, इसलिए पटाखों की 100-140 डेसिबल आवाज उनके लिए असहनीय होती है। इससे वे घबरा जाते हैं, कांपने लगते हैं, छिपने की कोशिश करते हैं या भागने लगते हैं।दुनिया के सबसे बड़े एनिमल वेलफेयर ऑर्गेनाइजेशन 'रॉयल सोसाइटी फॉर द प्रिवेंशन ऑफ क्रुएल्टी टू एनिमल्स' की रिपोर्ट के मुताबिक, पटाखों से जानवरों के डरने और उन्हें चोट लगने का खतरा होता है। दिवाली पर स्ट्रीट पेट्स भी प्रभावित होते हैं, लेकिन घरेलू पेट्स ज्यादा संवेदनशील होते हैं।

यूनीक और ट्रेंडी दिवाली गिफ्ट आइडियाज

इस त्योहार अपनों को दें कुछ खास, हेल्थ और वेलनेस से जुड़े 7 यूनीक उपहार

दिवाली का त्योहार सिर्फ रोशनी और सजावट का ही नहीं, बल्कि अपनों के बीच प्यार और खुशियां बांटने का भी है। इस दिन लोग अपने घरों को सजाने के साथ ही परिवार व दोस्तों को स्पेशल महसूस कराने के लिए गिफ्ट्स भी देते हैं। यह रिश्तों में मिठास घोलने और अपनी भावनाएं व्यक्त करने का एक बेहतरीन तरीका है। हर कोई चाहता है कि उसका दिया हुआ तोहफा सामने वाले के दिल को छू ले और लंबे समय तक याद रहे। हालांकि कई बार गिफ्ट चुनते समय यह तय करना मुश्किल हो जाता है कि आखिर ऐसा क्या दिया जाए, जो उपयोगी भी हो और खास भी लगे। ऐसे में जरूरी है कि गिफ्ट चुनते समय हम बजट, रिसीवर की पसंद और मौजूदा ट्रेंड का ध्यान रखें। इस दिवाली अगर आप भी अपनों के लिए अच्छा और ट्रेंडी तोहफा चुनना चाहते हैं तो यह स्टोरी आपकी मदद कर सकती है। अपने करीबियों और दोस्तों को उपहार देने की परंपरा सदियों से रही है। पहले के समय में जब लोग खेती और पशुपालन पर आधारित जीवन जीते थे, तो अपनी फसल या घर पर बनी मिठाइयों का आदान-प्रदान करते थे। इसका मकसद अपनी समृद्धि और खुशी को साझा करना था। सातवीं शताब्दी में सम्राट हर्षवर्धन के नाटक 'नागानंद' में दिवाली पर उपहार देने का उल्लेख मिलता है। यानी यह परंपरा सदियों से भारतीय समाज का हिस्सा रही है। समय के साथ गिफ्ट देने का अर्थ और गहरा होता गया। आज यह अपने प्रियजनों और सहकर्मियों के प्रति सम्मान व कृतज्ञता जताने का जरिया बन गया है।दिवाली के मौके पर गिफ्टिंग का तरीका हर साल बदलता रहता है। पहले जहां लोग मिठाई या सूखे मेवे ही चुनते थे। वहीं अब अपनों को खास और यादगार गिफ्ट देना ट्रेंड बन गया है। इस साल भी कई नए ट्रेंड्स देखने को मिल रहे हैं। आइए इसे ग्राफिक के जरिए समझते हैं।ज्यादातर लोग चाहते हैं कि उनके दिए गए गिफ्ट में भावनाओं और यादों की अहमियत भी शामिल हो। इसके लिए वे पर्सनलाइज्ड गिफ्ट्स देना पसंद करते हैं। इसमें नाम, फोटो या खास मैसेज डालकर वे गिफ्ट को और भी स्पेशल बना सकते हैं। इससे रिश्तों में नजदीकी बढ़ती है और गिफ्ट लेने वाले को यह लगता है कि यह सिर्फ एक सामान नहीं, बल्कि आपके प्यार और केयर का प्रतीक है। यही वजह है कि आजकल लोग आम आइटम्स की जगह पर्सनलाइज्ड गिफ्ट्स को तरजीह देते हैं।

हेल्थ और वेलनेस से जुड़े गिफ्ट्स आइडियाज में कौन-सी चीजें शामिल हैं?

आप इस दिवाली अपने पसंदीदा लोगों

को हेल्थ और वेलनेस से जुड़े कई सारे गिफ्ट्स दे सकते हैं। आइए इसे ग्राफिक के जरिए समझते हैं।

इको-फ्रेंडली और सस्टेनेबल गिफ्ट्स की लोकप्रियता क्यों बढ़ रही है?

दिवाली के मौके पर बहुत से लोग ऐसा तोहफा देना पसंद करते हैं, जिससे पर्यावरण को नुकसान न पहुंचे। वे प्लास्टिक और केमिकल से बने सामान की जगह रीयूजेबल, ऑर्गेनिक और बायोडिग्रेडेबल प्रोडक्ट्स को पसंद करते हैं।

लोग गिफ्ट्स में पौधे, मिट्टी के दीये, रीयूजेबल बैग्स और ऑर्गेनिक हैंडमेड आइटम्स देकर अपनों को खुश करते हैं। ऐसे में दिवाली के मौके पर इको-फ्रेंडली और सस्टेनेबल गिफ्ट्स की डिमांड भी बढ़ जाती है।

इस दिवाली टेक्नोलॉजी और डिजिटल गिफ्ट्स क्यों ट्रेंड में हैं?

टेक और डिजिटल गिफ्ट्स अब सिर्फ युवाओं तक सीमित नहीं हैं। स्मार्टवॉच, ब्लूटूथ ईयरबड्स और स्मार्ट होम गैजेट्स जैसे गिफ्ट्स हर उम्र के लोगों में लोकप्रिय हो रहे हैं।

इसके अलावा ई-गिफ्ट कार्ड्स, ऑनलाइन सब्सक्रिप्शन और डिजिटल वाउचर्स भी काफी पसंद किए जा रहे हैं। इसका कारण सुविधा और माडर्न लाइफस्टाइल का मेल है। लोग चाहते हैं कि उनके गिफ्ट का इस्तेमाल तुरंत हो सके और यह उनकी जरूरत के हिसाब से प्रैक्टिकल भी हो।

कॉकरोच का 2 रुपये में होगा सफाया

भूरे पाउडर में मिला देना किचन में रखी 1 सफेद चीज, नानी मां का नुस्खा है आसान

कॉकरोच घर की सबसे बड़ी समस्या होते हैं। जो न सिर्फ गंदगी फैलाते हैं, बल्कि बीमारियों का कारण भी बनते हैं। त्योहार के मौके पर लोग सफाई करने के बाद चाहते हैं कि कॉकरोच और चूहे जैसे जीव बिल्कुल भी ना दिखे। लेकिन कई दफा क्लीनिंग के बाद भी कॉकरोच की फौज से बाहर जाती नहीं है। जबकि बाजार के केमिकल वाले स्प्रे या जेल अक्सर महंगे होते हैं और सेहत के लिए हानिकारक भी। तो नानी मां का एक ऐसा अचूक और बेहद सस्ता नुस्खा जान लीजिए। जिससे सिर्फ 2 के खर्च में इन कीड़ों को बिना मारे, हमेशा के लिए घर छोड़ने पर मजबूर कर सकते हैं। यूट्यूबर चैनल पर मिली ये ट्रिक आपके बहुत काम आएगी।

जरूरी सामग्री

आपको सबसे पहले 2 वाला कॉफी पाउडर का एक छोटा पैकेट लेना है। कॉफी में कैफीन होता है, जिसकी तेज गंध कॉकरोच को बहुत असहज करती है। इसके अलावा किचन में रखी सफेद चीज यानी कि चीनी मिलानी है। दरअसल चीनी, कॉकरोच को अट्रैक्ट करने यानी जाल में फंसाने का काम करेगी। मिश्रण तैयार करने के लिए छोटा सा कटोरा ले लें।

तैयार करें मिश्रण

कॉफी और चीनी का मिश्रण एक जादुई चारा बन जाता है। चीनी कॉकरोच को अपनी ओर खींचती है, जबकि कॉफी उन्हें घर से बाहर का रास्ता दिखाती है। आपको बाउल में कॉफी पैकेट का सारा पाउडर निकाल लेना है। इसमें आधा चम्मच चीनी मिला दें, चीनी की मात्रा कॉफी से कम ही रखनी है। दोनों चीजों को चम्मच से अच्छी तरह से मिला लें।

इस्तेमाल करने का सही तरीका

नुस्खा केवल तभी काम करेगा जब इसे उन जगहों पर रखेंगे जहां कॉकरोच सबसे ज्याद सक्रिय रहते हैं। आप सिंक के नीचे की कैबिनेट, गैस सिलेंडर के

पीछे की दीवार, फ्रिज के नीचे या पीछे का हिस्सा, स्टोर रूम या अंधेरी अलमारी के कोने..इन जगहों पर रख सकते हैं। ध्यान रहे कि कटोरे को ऐसी जगह रखें जहां बच्चे या पालतू जानवर आसानी से न पहुंच सकें, हालाँकि यह नुस्खा जहरीला नहीं है।

यूट्यूब चैनल नानी मां की किचन क्रिएशन से मिला है, जो प्राकृतिक चीजों पर आधारित है। दरअसल जब कॉकरोच चीनी के लालच में मिश्रण के पास आते हैं, तो कैफीन की तेज गंध नर्व्स सिस्टम को परेशान करती है।

यह बेचैनी उन्हें उस जगह को तुरंत छोड़ने पर मजबूर कर देती है। कॉकरोच उस गंध से दूर भागते हैं और जल्द ही घर को छोड़ देते हैं।

धनतेरस पर धन्वंतरि पूजा: आरोग्य और स्वास्थ्य के लिए आयुर्वेद के जनक को कैसे करें प्रसन्न?

धनतेरस 2025 खरीदारी शुभ मुहूर्त

धनतेरस की खरीदारी का शुभ मुहूर्त 18 अक्टूबर 2025 की दोपहर 12 बजकर 18 मिनट से शुरू हो रहा है। चलिए जानते हैं खरीदारी के सबसे शुभ मुहूर्त क्या रहने वाले हैं...

अभिजीत मुहूर्त - 11:43 AM से 12:28 PM

लाभ (उन्नति) - 01:32 PM से 02:57 PM

अमृत (सर्वोत्तम) - 02:57 PM से 04:23 PM

लाभ (उन्नति) - 05:48 PM से 07:23 PM

शुभ (उत्तम) - 08:57 PM से 10:32 PM

अमृत (सर्वोत्तम) - 10:32 PM से 12:06 AM, अक्टूबर 19

धनतेरस पूजा मुहूर्त

धनतेरस पूजा का मुहूर्त 18 अक्टूबर 2025 की शाम 07:16 से रात 08:20 बजे तक रहेगा। प्रदोष काल शाम 05:48 से रात 08:20 तक और वृषभ काल शाम 07:16 से रात 09:11 बजे तक रहेगा

धार्मिक मान्यता है कि धनतेरस के दिन भगवान धन्वंतरि, देवी लक्ष्मी और भगवान कुबेर की आराधना से घर में धन संपदा बढ़ती है। साथ ही उत्तम स्वास्थ्य और दीर्घायु का भी आशीर्वाद मिलता है। ऐसे में आइए जानते हैं कि इस दिन आयुर्वेद के जनक को किस तरह प्रसन्न किया जा सकता है।

धन्वंतरि भगवान हैं स्वास्थय के देवता

पुराणों में वर्णित है कि भगवान धन्वंतरि समुंद्र मंथन के दौरान सबसे अंत में प्रकट हुए थे। उनके हाथों में अमृत कलश और औषधियां थीं। यही कारण है कि उनको आयुर्वेद के जनक और आरोग्य का देवता कहा जाता है। धनतेरस पर धन्वंतरि भगवान की पूजा का महत्व बहुत है और ये महत्व सिर्फ सोने-चांदी की खरीदारी करने तक सीमित नहीं है। यह दिन स्वास्थय का भी सच्चा दिन है। इस दिन भगवान धन्वंतरि की पूजा से रोगों से मुक्ति, दीर्घायु और सुदृढ़ स्वास्थ्य का आशीर्वाद मिलता है।

भगवान धन्वंतरि की पूजा विधि

प्रदोष काल में भगवान धन्वंतरि की पूजा करनी चाहिए। ये समय भगवान धन्वंतरि की पूजा के लिए सबसे अच्छा माना जाता है। इस दिन प्रदोष काल में सबसे पहले पूजा स्थान पर लाल या पीले वस्त्र का आसन बनाकर बिछाना चाहिए। फिर भगवान धन्वंतरि की मूर्ति या चित्र की स्थापना करनी चाहिए। दीपक जलाने से पहले नीचे चावल या नया धान रखना चाहिए। इसके बाद तांबे के कलश में जल भरकर उसे पूजा स्थल पर रखना चाहिए। फिर उसी जल से सभी देवी-देवताओं को आचमन कराना चाहिए। पूजा के दौरान भगवान को रोली, हल्दी, चावल, पुष्प, पान, श्रीफल और नैवेद्य चढ़ाना चाहिए। फिर भगवान धन्वंतरि से परिवार की आरोग्यता और दीर्घायु के लिए प्रार्थना करनी चाहिए। पूजा के समय मंत्रों का जाप करना चाहिए।

भगवान धन्वंतरि के मंत्र

ॐ नमो भगवते महासुर्शनाय वासुदेवाय धन्वंतरायेः अमृतकलश हस्ताय सर्व भयविनाशाय सर्व रोगनिवारणाय। त्रिलोकपथाय त्रिलोकनाथाय श्रीमहाविष्णुस्वरूप श्री धन्वंतरी स्वरूप श्री श्री श्री औषणचक्र नारायणाय नमः।।

धनतेरस के दिन भगवान धन्वंतरि की विधि पूर्वक पूजा करने और मंत्रों का जाप करने से आयुर्वेद के जनक को प्रसन्न किया जा सकता है। धनतेरस के दिन पूजा और मंत्रों का जाप करने से भगवान की कृपा प्राप्त होती है।

धनतेरस के दिन इन 3 स्थानों पर जलाएं दीपक

धनतेरस का पर्व इस साल 18 अक्टूबर, शनिवार को मनाया जाएगा। यह दीपोत्सव का पहला दिन होता है। इस दिन भगवान धन्वंतरि और कुबेर देव की पूजा का विशेष महत्व होता है। मान्यता है कि इसी दिन समुद्र मंथन से भगवान धन्वंतरि अमृत कलश लेकर प्रकट हुए थे।

इसलिए इस दिन को स्वास्थ्य, समृद्धि और धन की प्राप्ति से जोड़ा गया है। इस अवसर पर लोग सोना-चांदी, पीतल और तांबे के बर्तन और नई चीजें खरीदते हैं। लेकिन सबसे खास परंपरा होती है दीप जलाने की, जो धन और सौभाग्य को आकर्षित करने वाली मानी गई है।

दक्षिण दिशा में यमराज का दीपक

धनतेरस की शाम को दक्षिण दिशा की ओर मुख करके एक आटे के चौमुखी दीपक में सरसों का तेल डालकर जलाना चाहिए। यह दीपक यमराज के नाम से जलाया जाता है, जिसे 'यम दीपम' कहा जाता है। शास्त्रों में बताया गया है कि इस दीपक से अकाल मृत्यु का भय दूर होता है और व्यक्ति को दीर्घायु का आशीर्वाद मिलता है। यह दीपक जीवन में सुरक्षा और शांति का प्रतीक माना जाता है।

पूजा स्थल पर लक्ष्मी-कुबेर का दीपक

धनतेरस के दिन शाम को पूजा स्थल पर देवी लक्ष्मी और कुबेर देव के सामने दीपक जलाना अत्यंत शुभ होता है। इसमें घी का दीपक जलाना सबसे उत्तम माना गया है। पूजा के दौरान कुबेर मंत्र का जाप करने से विशेष फल मिलता है।

मंत्र इस प्रकार है- 'यक्षाय कुबेराय वैश्रवणाय धनधान्य अधिपतये धनधान्य समृद्धि मे देहि दापय दापय स्वाहा।'

इस दीपक से धन-संपत्ति में वृद्धि, कुबेर की कृपा और लक्ष्मी स्थायित्व प्राप्त होता है। यह घर में सुख-समृद्धि बनाए रखता है।

घर के मुख्य द्वार पर दीपक

धनतेरस की रात को घर के मुख्य द्वार या दरवाजे के बाहर दीपक जलाना भी अत्यंत जरूरी माना गया है। इस दीपक को दोनों ओर रखने से शुभ प्रभाव दोगुना हो जाता है। यह दीपक घर में पॉजिटिविटी का प्रवेश कराता है और नेगेटिव एनर्जी को दूर करता है। वास्तु के अनुसार, यह दीपक घर की सुरक्षा कवच की तरह कार्य करता है।

ऐसी मान्यता है कि धनतेरस की शाम सच्चे मन और विधि-विधान से दीप जलाया जाए, तो घर में सुख, समृद्धि और सौभाग्य का स्थायी वास होता है। दक्षिण दिशा का यम दीपक जीवन रक्षा देता है, पूजा स्थल का दीपक लक्ष्मी-कुबेर की कृपा लाता है और मुख्य द्वार का दीपक घर में पॉजिटिविटी लाता है।

धनतेरस और शनि प्रदोष का शुभ संयोग

इन 3 राशियों का शुरू होगा गोल्डन टाइम

धनतेरस का त्योहार हर वर्ष कार्तिक माह में कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी तिथि को मनाया जाता है। इस बार 18 अक्टूबर को धनतेरस का त्योहार मनाया जाएगा और इस दिन शनिवार होने के चलते शनि प्रदोष व्रत भी इस दिन रखा जाएगा।

वृषभ राशि

धनतेरस का पर्व आपके जीवन में नई आशाएं और उम्मीदें लेकर आ सकते हैं। जो लोग राजनीति से जुड़े हैं उनके प्रशंसकों की संख्या बढ़ सकती है। माता-पिता के साथ मिलकर भविष्य की योजनाएं भी कुछ लोग बना सकते हैं। शनि की कृपा से आपको भाग्य का पूरा सहयोग मिलेगा और कई बिगड़ते काम भी बनेंगे। आपकी स्थिति कार्यक्षेत्र में सुधरेगी। कुछ लोगों को अचानक से प्रमोशन मिल सकता है। कुल

सकता है। आपको भाग्य का सहयोग प्राप्त होगा और करियर के क्षेत्र में आप आगे बढ़ेंगे। इस राशि के कुछ लोगों को मनचाही नौकरी मिलने की भी संभावना है। शनि देव आपके प्रयासों का अच्छा फल आपको प्रदान करेंगे। जो लोग मीडिया और फिल्म जगत से जुड़े हैं उनका नाम चर्चाओं में आ सकता है। इस राशि के जातकों की कलात्मक क्षमता का भी विकास इस दौरान देखने को मिलेगा। पारिवारिक जीवन में भी अच्छे बदलाव आएंगे।

धनु राशि

धनतेरस का पावन त्योहार पारिवारिक खुशियां तो आपके जीवन में लाएगा ही साथ ही सामाजिक स्तर पर भी आपको बेहद सुखद परिणाम प्राप्त हो मिलाकरक धनतेरस के बाद का समय आपके जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने वाला रहेगा।

मकर राशि

इस राशि के जातकों का खोया हुआ आत्मविश्वास लौट सकता है। आपकी ऊर्जा बढ़ेगी जिससे आपको करियर के क्षेत्र में लाभ मिलेगा। इस राशि के जो लोग प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे हैं उन्हें अच्छा परिणाम प्राप्त हो सकता है। सरकारी क्षेत्रों से इस राशि के जातकों को लाभ होगा। पारिवारिक जीवन में अगर किसी वजह से लोगों के बीच मनमुटाव चल रहा था तो इस दौरान दूर हो सकता है। आपके प्रेम संबंधों में भी सुधार देखने को मिलेगा। इसके साथ ही आपकी सेहत में भी अच्छे बदलाव देखने को मिल सकते हैं।

धनतेरस पर कौन-से बर्तन खरीदना शुभ होता है और कब करें इनका इस्तेमाल

धनतेरस का त्योहार दीपावली की शुरुआत का प्रतीक है। इस दिन लोग नई चीजें खरीदकर घर में समृद्धि और शुभता लाने का प्रयास करते हैं। खासकर धनतेरस के दिन बर्तन खरीदने की परंपरा बहुत पुरानी है। यह परंपरा धार्मिक रूप से महत्वपूर्ण मानी जाती है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि धनतेरस पर कौन-से बर्तन खरीदना शुभ होता है और किनसे परहेज करना चाहिए? आइए जानते हैं इसका महत्व और कब इन बर्तनों का इस्तेमाल किया जाता है।

धनतेरस पर बर्तन खरीदने की क्यों है परंपरा खास?

हिंदू धर्म में धनतेरस का दिन पांच दिवसीय दीपावली पर्व की शुरुआत का प्रतीक माना गया है। इस दिन भगवान धनवंतरि, माता लक्ष्मी और यमराज की पूजा की जाती है। ऐसा माना जाता है कि धनतेरस पर की गई खरीदारी से घर में धन-धान्य की वृद्धि होती है और आने वाले साल में समृद्धि बनी रहती है।

बर्तन खरीदने के पीछे है धार्मिक कथा

धार्मिक मान्यता के अनुसार, कार्तिक मास की त्रयोदशी तिथि को समुद्र मंथन के समय भगवान धनवंतरि अमृत से भरा पीतल का कलश लेकर प्रकट हुए थे। तभी से इस दिन पीतल, तांबा और कांसे के कलश या बर्तन खरीदना शुभ माना जाता है। यह परंपरा समृद्धि, स्वास्थ्य और सौभाग्य का प्रतीक मानी जाती है।

धनतेरस पर कौन-से बर्तन खरीदना है शुभ

धनतेरस के दिन पीतल, तांबे और कांसे के बर्तन खरीदना बहुत शुभ माना गया है। इन धातुओं से बने बर्तन घर में सकारात्मक ऊर्जा लाते हैं और धन वृद्धि का योग बनाते हैं। अगर आप सोना या चांदी खरीदने में असमर्थ हैं, तो पीतल का बर्तन खरीदना भी फलदायी माना गया है।

किन बर्तनों की खरीद से करें परहेज?

ऐसा कहा जाता है कि धनतेरस के दिन लोहे, स्टील, प्लास्टिक या काली मिट्टी से बने बर्तन नहीं खरीदने चाहिए। जानकारी के अभाव में लोग खरीददारी के नाम पर कुछ भी खरीद कर ले आते हैं। ज्योतिष के अनुसार, ये वस्तुएं अशुभ मानी जाती हैं और इनसे घर में नकारात्मकता बढ़ सकती है।

इसलिए इस दिन केवल शुभ धातुओं के बर्तन खरीदने की ही सलाह दी जाती है। धनतेरस पर सही धातु के बर्तन खरीदना न धार्मिक दृष्टि से शुभ है। इसलिए इस धनतेरस पर सोच-समझकर खरीदारी करें और अपने जीवन में शुभता को आमंत्रित करें।

धनतेरस पर खरीदे गए बर्तनों का इस्तेमाल कब करें?

धनतेरस पर खरीदे गए बर्तनों का तुरंत उपयोग नहीं करना चाहिए। इन्हें पहले पूजा के स्थान पर रखें और फिर भगवान धनवंतरि व माता लक्ष्मी की आराधना करने का विधान बताया गया है। दीपावली के दिन या उसके बाद किसी शुभ मुहूर्त में इनका पहला प्रयोग करना सबसे शुभ माना गया है।

उज्जैन का अनोखा कुबेर मंदिर, यहां नाभि में लगाया जाता है घी

धन और ऐश्वर्य के अधिष्ठाता भगवान कुबेर की आराधना का महापर्व धनतेरस इस वर्ष 18 अक्टूबर को मनाया जा रहा है। इस शुभ अवसर पर उज्जैन का कुंडेश्वर महादेव मंदिर भक्तों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र बन जाता है। महर्षि सांदीपनि आश्रम के करीब महादेव परिसर में स्थित यह मंदिर भगवान कुबेर की एक दुर्लभ और लगभग 1100 साल पुरानी प्रतिमा को संजोए हुए है। बताया जाता है कि इसका इतिहास सीधे द्वापर युग से जुड़ा है।

मंदिर की कहानी...कहा जाता है कि जब भगवान श्रीकृष्ण, बलराम और सुदामा ने महर्षि सांदीपनि से अपनी शिक्षा पूरी की, तब गुरु दक्षिणा देने के समय स्वयं भगवान कुबेर यहां प्रकट हुए थे। तभी से, कुबेर भगवान की यह चतुर्भुज प्रतिमा यहां बैठी हुई मुद्रा में स्थापित है।

दुर्लभ प्रतिमा: यह प्रतिमा देश में मौजूद कुबेर की तीन प्रमुख 'विराजमान' प्रतिमाओं में से एक है, जो हरि (कृष्ण) और हर (शिव) के मिलन स्थल पर स्थित है।

कुबेर को प्रसन्न करने का अनूठा विधान

मंदिर के पुजारियों के अनुसार, कुबेर को प्रसन्न करने का यहां एक अनूठा और अत्यंत महत्वपूर्ण विधान है। इसी विधान के तहत लाखों श्रद्धालु इस चमत्कारी मंदिर में कुबेर जी के दर्शन और नाभि पर घी-इत्र लगाने के लिए पहुंचते हैं, ताकि उनकी कृपा से उनके खजाने भी कभी खाली न हों।

इत्र-घी का लेप: कुबेर देवताओं के कोषाध्यक्ष हैं। उन्हें यक्ष और सुगंध अति प्रिय है, इसलिए धनतेरस के मौके पर उनकी नाभि पर शुद्ध घी में इत्र मिलाकर लगाया जाता है।

फल: यह परंपरा इस विश्वास पर आधारित है कि यक्ष कुबेर की नाभि पर सुगंधित लेप लगाने से वे शीघ्र प्रसन्न होते हैं और भक्तों के घर में साल भर सुख-समृद्धि और धन-धान्य की वर्षा करते हैं।

प्रतिमा की विशेषता और पूजा

चतुर्भुज रूप: इस प्राचीन चतुर्भुज प्रतिमा में कुबेर भगवान एक हाथ में सोम पात्र धारण किए हैं, दूसरा हाथ अभय मुद्रा में भक्तों को आशीर्वाद देते हुए है। वह अपने कंधे पर धन के प्रतीक स्वरूप नेवले की खाल का पुतला लिए हुए हैं।

प्रिय भोग: कुबेर जी को पीला रंग प्रिय होने के कारण, इस दिन उन्हें पीले मिष्ठान और फलों में अनार का भोग विशेष रूप से अर्पित किया जाता है।

अनुष्ठान: धनतेरस से एक दिन पूर्व यहां विशेष अभिषेक, हवन और पूजन अनुष्ठान आयोजित होते हैं।

श्री यंत्र: मंदिर के शिखर पर भी शिव मंदिर में स्थापित होने वाले रुद्र यंत्र की जगह श्री यंत्र का होना, इस स्थान की धन और ऐश्वर्य से जुड़ी विशिष्टता को दर्शाता है।

दिवाली की रात इस दिशा में जलाएं दीपक

दिवाली पर घर को साफ-सुथरा करने और दीपक जलाने से माता लक्ष्मी का वास माना जाता है। शास्त्रों में कहा गया है कि जिनके घर में दिवाली पर दीपक और रोशनी अधिक होती है, उन्हें अधिक धन-वैभव प्राप्त होता है।

दिवाली पर पूजा, मंत्र जाप और दिवाली पर घर को साफ-सुथरा करने और दीपक जलाने से माता लक्ष्मी का वास माना जाता है। शास्त्रों में कहा गया है कि जिनके घर में दिवाली पर दीपक और रोशनी अधिक होती है, उन्हें अधिक धन-वैभव प्राप्त होता है। दिवाली पर पूजा, मंत्र जाप और दीपक जलाने से घर में सकारात्मक ऊर्जा और शांति बनी रहती है। माता लक्ष्मी की कृपा से परिवार में सुख-शांति और सौभाग्य आता है। दीपावली की रात से पहले घर का सारा कूड़ा-कबाड़ बाहर कर दें। जिससे मां लक्ष्मी के घर में प्रवेश का रास्ता साफ हो जाए।

लक्ष्मी आगमन हेतु दीपावली की रात्रि में अपने निवास स्थान के प्रत्येक कक्ष के द्वार तथा मुख्य द्वार पर गेहूं की ढेरियां बनाकर उसके ऊपर शुद्ध घी का दीपक प्रज्वलित करें जो रात्रि पर्यंत जलें। इससे मां लक्ष्मी का घर में आगमन होता है।

वास्तुनुसार ईशान यानी उत्तर-पूर्व दिशा में पूजन करना सर्वोत्तम होता है। पूर्व-मध्य अथवा उत्तर-मध्य के किसी भी कक्ष में पूजन करना शुभ फल प्रदान करता है। घर का मध्य भाग ब्रह्म स्थान होता है। यहां भी पूजन कर सकते हैं। पूजा के समय पूर्व या पश्चिममुखी रहें तत्पश्चात दीप जलाएं दरिद्र भगाएं।

दीप पूजन करने के बाद पहले मंदिर में दीपदान करें और फिर घर में दीए सजाएं। दीवाली की रात लक्ष्मी जी के सामने घी का दीया पूरी रात जलना चाहिए।

दीपावली की रात घर के मुख्य द्वार पर दोनों ओर बड़े-बड़े दीपक प्रज्जवलित कर लाल रंग की रंगोली से सजाएं। दीपक इतने बड़े होने चाहिए कि सारी रात जगमगाते रहें क्योंकि मां लक्ष्मी दीपावली की रात धरती पर भ्रमण करती हैं और जिस घर में सात्विक वातावरण रहता है। उस घर को अपना स्थायी निवास बना लेती हैं।

दीपावली की रात पीपल के पेड़ पर दीपक अर्पित करें और घर को लौट आएं। किसी भी हालत में पीछे मुड़कर नहीं देखें। यह उपाय करने से सारा साल आपको धन की कोई कमी नहीं रहेगी।

वामिका गब्बी नई पीढ़ी की सबसे चमकदार अभिनेत्रियों में से एक

वामिका गब्बी ने बॉलीवुड में अपने कदम ऐसे मजबूती से जमाए हैं कि आज वह नई पीढ़ी की सबसे चमकदार अभिनेत्रियों में गिनी जाने लगी है। फिल्म '83' से लेकर 'जुबली' और 'भूल चूक माफ' तक, हर किरदार में वामिका अपनी अदाकारी का नया रंग दिखाया है। उसके अभिनय की सबसे बड़ी ताकत है, उसका सहज और सजीव अंदाज, जिससे दर्शक तुरंत जुड़ जाते हैं।

उसकी अभिनय यात्रा , उन चुनिंदा कलाकारों की तरह है, जो हर किरदार में कुछ नया आजमाते हैं । कभी वह सपने देखने वाली एक मासूम लड़की बन जाती है, तो कभी निडर डिटैक्टिव की भूमिका में दिखाई देती है या फिर किसी स्पाई थ्रिलर में गहराई भर देती है। यही विविधता उसकी सबसे बड़ी पहचान है

'जुबली' और 'भूल चूक माफ' से अपने अभिनय का लोहा मनवाने के बाद अब वामिका का करियर 2025 में एक नई ऊंचाई की ओर बढ़ रहा है। आने वाली फिल्मों और प्रोजैक्ट्स की उसकी शानदार लाइन-अप यह जताने के लिए काफी है कि वह , सिर्फ आज की स्टार नहीं, बल्कि लंबे समय तक दर्शकों को अपने : अभिनय से बांधे रखने वाली अभिनेत्री है।

गौरतलब है कि उनके नाम वामिका पर प्रेमिका हैशटैग काफी चलता है । इस पर खुश वामिका ने एक इंटरव्यू में कहा, इस हैशटैग से पता चलता है कि आपको कितना प्यार मिल रहा है। कई लोग मुझे प्रेमिका के नाम से बुलाते हैं। कई बार समझ नहीं आता है कि मैंने ऐसा क्या कर दिया है, जो लोग मुझ पर इतना प्यार बरसाते हैं। जहां तक प्यार बात है, तो वह हर किसी के भीतर होता है। प्यार का मतलब सिर्फ अच्छी बातें करना नहीं है। डांट-फटकार में भी प्यार झलकता है।

बॉलीवुड से लेकर साऊथ तक - फिल्मों से लबालब भरी है झोली

वामिका का नाम उन अभिनेत्रियों में शुमार है, जिन्होंने न सिर्फ साऊथ, बल्कि बॉलीवुड में भी अपनी खास जगह बनाई है। वह न केवल अभिनय करने में माहिर है, बल्कि अपनी सादगी से भी सबका दिल जीत लेती है। 32 साल की हो चुकी वामिका की झोली में इस समय इतनी फिल्में हैं कि वह बड़ी से बड़ी हीरोइनों को भी पानी भरने में मजबूर कर देती है । एक नजर डालते हैं उसकी अगली फिल्मों पर:

'गुडाचारी 2'

वामिका जल्द इस फिल्म में नजर आएगी, जिसके निर्देशन की कमान विनय कुमार सिरिगिनीडी ने संभाली है । इस फिल्म में इमरान हाशमी और अदिवी शेष भी मुख्य भूमिका निभा रहे हैं। यह एक पैन इंडिया फिल्म है, जिसे दर्शक हिंदी के साथ तमिल और तेलुगु भाषा में देख पाएंगे। यह फिल्म 1 मई, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है । यह 2018 में आई फिल्म 'गुडाचारी' की सीक्वेल है, जो बॉक्स ऑफिस पर सुपरहिट साबित हुई।

'भूत बंगला'

प्रियदर्शन के निर्देशन में बन रही इस फिल्म का दर्शक बड़ी ही बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं । इस फिल्म का लीड हीरो अक्षय कुमार है, वहीं वामिका भी इसमें अहम भूमिका निभा रही है। तब्बू और परेश रावल भी इसका हिस्सा हैं । यह फिल्म अगले साल 2 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। अक्षय इस फिल्म का निर्माण शोभा कपूर और एकता कपूर के साथ मिलकर कर रहा है । वहीं 'भूत बंगला' में निर्देशक प्रियदर्शन के साथ काम करने के उत्साह को जाहिर करते हुए वामिका कहती है, "मैंने प्रियदर्शन सर की 10-12 हिंदी फिल्में देखी थीं। एक दिन मैंने अपने मैनेजर से कहा कि प्रियदर्शन सर अगर कोई फिल्म बना रहे हैं तो मुझे उसमें काम करना है । उन्होंने कहा कि वह एक फिल्म बनाने की तैयारी में हैं। कुछ महीने बाद प्रियदर्शन सर की टीम से ही मुझे फोन आ गया कि आ प से मिलना है । मैं तो ब हु त खुश हो गई थी ।

'दिल का दरवाजा खोल न डार्लिंग'

वामिका की इस फिल्म के निर्देशन की कमान विकास बहल ने संभाली है, जिसे 'क्वीन' और 'शैतान' जैसी बेहतरीन फिल्मों के लिए जाना जाता है । जया बच्चन, सिद्धांत चतुर्वेदी और स्वानंद किरकिरे भी इस फिल्म में अपनी अदाकारी का तड़का लगाने वाले हैं। फिल्म की शूटिंग पहले ही गोवा में शुरू हो चुकी है। यह फिल्म अगले साल सिनेमाघरों में रिलीज होगी। 'पति पत्नी और वो 2' में वामिका की आने वाली फिल्मों में 'पति, पत्नी और वो' की आगामी कड़ी भी शामिल है। इस फिल्म 'आयुष्मान खुराना 1 या 2 नहीं, बल्कि 3 अभिनेत्रियों के साथ इश्क फरमाता नजर आएगा, जिनमें वामिका के अलावा सारा अली खान और रकुल प्रीत सिंह के नाम शामिल हैं । मुदस्सर अजीज ने फिल्म के निर्देशन की कमान संभाली है। फिल्म की कहानी भी उन्होंने ही लिखी है। यह फिल्म अगले साल सिनेमाघरों का दरवाजा खटखटाएगी ।

पंजाबी और साऊथ की फिल्मों से भी भरी है वामिका की झोली

वामिका जल्द ही पंजाबी फिल्म 'कीकली' के जरिए भी दर्शकों का मनोरंजन करती नजर आएगी। जैसे इतना ही काफी नहीं था, इसके अलावा उसके पास तमिल फिल्में ' इरावाकालम' और 'जीनी' भी हैं ।वामिका की मलयालम फिल्म

हमारी मुश्किलों में किसी की दिलचस्पी नहीं रही : जाह्नवी कपूर

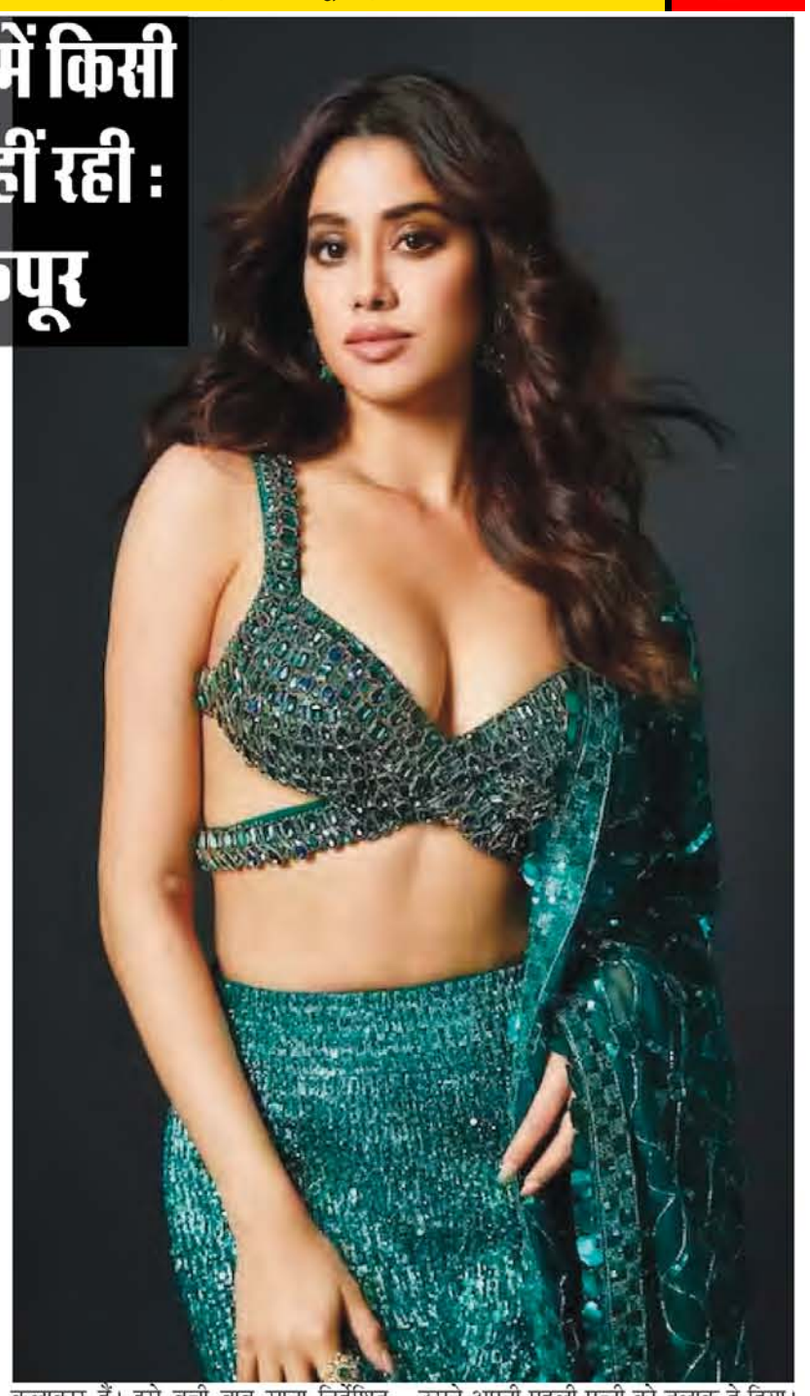

जब तक आप अपनी जड़ों, विरासत, संस्कृति के करीब न हों, आप कहां हो, आपको खुद के इतिहास के बारे में समझ नहीं है तो आपको कैसे पता चलेगा कि आप कहां जाना चाहते हो।

जाह्नवी कपूर पिछले सात सालों से बॉलीवुड में काम कर रही है, लेकिन उसका सफर अभी लंबा है। वह अपनी मां श्रीदेवी की तरह एक बड़ा नाम बनाना चाहती है लेकिन अभी उसका संघर्ष जारी है। बॉलीवुड में 'अंदर वालों' और 'बाहर वालों' के बीच की बहस बहुत पुरानी है। बाहर से आए कलाकार अक्सर कहते हैं कि बिना रिश्तेदारों या जान-पहचान के इंडस्ट्री में जगह बनाना बहुत मुश्किल होता है।

वहीं स्टार किड्स पर अक्सर आरोप लगते हैं कि उन्हें सब कुछ आसानी से मिलता है क्योंकि वे फिल्मी परिवारों से आते हैं। इस पर जाह्नवी ने एक साक्षात्कार में अपनी राय दी और बताया कि उसे यह विभाजन पसंद नहीं है। उसने कहा, ₹कोई हमारे संघर्ष तथा मुश्किलों के बारे में सुनने में दिलचस्पी नहीं रखता क्योंकि हम विशेषाधिकार प्राप्त परिवारों से हैं। यह सही भी है। मुझे लगता है कि हमें शिकायत भी नहीं करनी चाहिए क्योंकि जो कुछ भी मिला है हम उसके लिए बहुत आभारी हैं। अगर हम यह कहेंगे कि हमारे लिए भी बहुत कठिनाइयां आई हैं, तो ऐसा तो हर किसी के लिए होता है ।

उसने आगे कहा, मुझे यह अंदर वाले-बाहर वाले का विभाजन पसंद नहीं है। उनका संघर्ष हमारे से बहुत अलग होता है और हम उसे समझ भी नहीं पाएंगे। अगर हम अपनी कठिनाइयों की शिकायत करेंगे, तो यह अनुपयुक्त लगेगा और कोई सुनना भी नहीं चाहेगा। हालिया और आने वाली फिल्म

जाह्नवी अभी फिल्म 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' में नजर आ रही है जिसमें वरुण धवन, रोहित सराफ, सान्या मल्होत्रा भी मुख्य भूमिकाओं में हैं। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर ज्यादा सफल नहीं रही है। इसके बाद जान्हवी की फिल्म 'पेड्डी' आने वाली है, जो अगले साल मार्च में सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस फिल्म में राम चरण, दिव्येंदु शर्मा, जगपति बाबू और शिव राजकुमार जैसे कलाकार हैं। इसे बूची बाबू साना निर्देशित किया है।

जाह्नवी के नाम का राज

जाह्नवी की मां श्रीदेवी को हिंदी सिनेमा की पहली महिला सुपरस्टार कहा जाता है, जिसने करीब 300 फिल्मों में काम किया और 'जुदाई' जैसी हिट फिल्में दीं। इसी फिल्म में जाह्नवी नामक किरदार था, जो श्रीदेवी और बोनी कपूर को इतना पसंद आया कि उन्होंने अपनी बेटी का नाम जाह्नवी रख दिया। श्रीदेवी ने निर्माता बोनी कपूर से 1996 में शादी की थी । बोनी पहले से शादीशुदा था लेकिन श्रीदेवी के लिए उसने अपनी पहली पत्नी को तलाक दे दिया। शादी के कुछ समय बाद ही जाह्नवी का जन्म हुआ । उस समय श्रीदेवी फिल्म 'जुदाई' की शूटिंग कर रही थी और अपनी प्रैग्नेंसी के अंतिम दौर में थी ।

विरासत व संस्कृति से गुड़ना जरूरी

जाह्नवी ने बताया कि वह फ्लाइट पर हनुमान चालीसा सुनती है। वह कहती है, मेरा मानना है कि जब तक आप अपनी जड़ों, विरासत, संस्कृति के करीब न हों, आप कहां से आए हो, आपको खुद के इतिहास के बारे में समझ नहीं है तो आपको कैसे पता चलेगा कि आप कहां जाना चाहते हो ।

रोमांचक कहानियों की कमी है : दीक्षा धामी

मुंबई में जन्मी और पली- बढ़ी दीक्षा बताती है, मैं महाराष्ट्रीयन हूं, इसलिए त्यौहारों के वक्त घर में खास व्यंजन बनते हैं। मेरी दादी सभी व्यंजन बनाती हैं। मेरे पसंदीदा हैं-उकडीचे मोदक, बेसन के लड्डू और'कैसे मुझे तुम मिल गए', 'तेनाली राम', 'चॉइसेज' और 'हंसमुख' जैसे प्रोजैक्ट्स में अपनी अदाकारी से पहचान बनाने वाली दीक्षा सोनलकर थाम मानती है कि आज के समय में रियलिटी शो फिक्शन की कमजोर पकड़ को मजबूत तरीके से भर रहे हैं ।

दीक्षा का कहना है, यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि टी.वी. के फिक्शन शो अब रोमांचक और दमदार कहानियों की कमी से जूझ रहे हैं। शुरुआत में शो बड़े पैमाने और आकर्षक सैटअप के साथ आते हैं, लेकिन धीरे-धीरे कहानी एक ही ढर्रे पर आ टिकती है। कभी वह लव ट्राएंगल बन जाती है, तो कभी लीड किरदारों के आपसी टकराव तक सिमट जाती है । मैं यह नहीं कहती कि हर शो ऐसा होता है, लेकिन ज्यादातर का पैटर्न यही हो जाता है। ऐसे में दर्शक कुछ हटकर खोजते हैं और वह उन्हें रियलिटी टी.वी. प्रदान करता है । हालांकि रियलिटी शोज़ की लोकप्रियता में तेजी आई है, लेकिन दीक्षा खुद इनमें ज्यादा दिलचस्पी नहीं रखती ।

उसके शब्दों में, "मैं कभी रियलिटी शोज़ की दीवानी नहीं रही। हां, डांस-आधारित शो से शायद मैं जुड़ पाऊं, क्योंकि उसमें एक कला देखने को मिलती है, उसने मुस्कराकर कहा ।

दीक्षा ने यह भी सांझा किया कि फिलहाल उसे एक खास कारण से रियलिटी शो देखना पड़ा। उसने कहा, ₹ मेरी बहुत प्यारी दोस्त आहना कुमरा हाल ही में 'राइज एंड फॉल' शो का हिस्सा बनी। उसके लिए तो मुझे यह शो देखना ही था। दीक्षा ने यह भी कहा कि गणपति उत्सव से लेकर दीवाली तक, फैस्टिवल सीजन को वह और उसका परिवार खुशी से मनाता है।

वे बस हमारा इस्तेमाल करते हैं : डॉली सिंह

एक सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर के रूप में सफलता दर्ज करने के बाद फिल्मों में कदम रखने वाली डॉली सिंह ने 'थैंक्यू फॉर कमिंग' के बाद फिल्मों में काम न मिलने को लेकर बात की है। साथ ही उसने बॉडी शेमिंग को लेकर भी बात की और बताया कि शक्ल- सूरत के चलते उसे ताने मिले। डॉली ने बताया कि कभी-कभी, निर्देशक और लेखक किसी भूमिका के लिए एक विशिष्ट रूप-रंग को ध्यान में रखते हैं और अगर आप उसमें फिट नहीं बैठते, तो आपका चयन नहीं होता, जो ठीक है लेकिन कई बार यह सच नहीं होता । उसने कहा, ₹कोई तुम्हारे मुंह पर शायद यह न कहे कि अरे तुम ज्यादा पतली हो तो हम तुम्हें नहीं ले सकते। कहीं- कहीं यह ठीक भी है। मुझे भी लगता है कि एक खास रोल के लिए या सीन के लिए निर्देशक - राइटर ऐसा सोचते हैं, तो ठीक है। तब आप कह सकते हैं कि आप इस रोल के लिए फिट नहीं बैठते हैं ।

उसने आगे कहा, एक बार, एक निर्देशक ने मुझे बोला था कि यार, ये दांत थोड़े, ठीक करा लो। उस दिन उसने मेरे मुंह पर बोल दिया लेकिन जहां पर मैं मौजूद नहीं हूं, वहां तो निश्चित ही यह होता ही होगा। सिर्फ मेरे लिए ही नहीं, बल्कि सबके ही साथ यह होता होगा । ' यह थोड़ा ज्यादा मोटा है या यह थोड़ी

ज्यादा पतली है, इसलिए इसको नहीं ले सकते। तो जो मैं फील करती हूं, हर बार जरूरी नहीं है कि वह चीज चले क्योंकि कुछ भूमिकाओं में वह फैक्टर मायने नहीं रखता, जब तक कोई व्यक्ति उस किरदार को निभा सकता है। मुझे लगता है कि वास्तव में ऐसा होना चाहिए।

इन्फ्लुएंसर्स को लेकर है पुरानी सोच

डॉली ने भूमि पेडनेकर के साथ फिल्म 'थैंक यू फॉर कमिंग' से बॉलीवुड में डेब्यू करने के बाद काम न मिलने के बारे में कहा कि कंटैंट क्रिएशन और एक्टिंग के साथ, यह एक दोधारी तलवार है, कि हमें भूमिकाएं मिल तो जाती हैं, पर वही दो मिनट के रोल मिलेंगे। इनमें आपको वही करना होगा जो आप आमतौर पर अपने इंस्टाग्राम पर करते हैं, वही किरदार । फिर आपको प्रमोशन के लिए बुलाया जाएगा और फिर आपकी फॉलोइंग को पुश करा जाएगा। वे कहेंगे कि आओ, फिल्म का प्रमोशन करो।

तो थोड़ा इस्तेमाल होता है और यह भी लगता है कि यार, ठीक है, इसमें मुझे मजा आया पर अब मुझे एक्टिंग में कुछ बड़ा भी करना है न । मुझे और चीजों को एक्सप्लोर करना है, पर वह करने को नहीं मिलता है । 'थैंक यू फॉर कमिंग' के बाद भी मेरी जिंदगी में कोई खास बदलाव नहीं आया । न ही मेरे पास ऑफर की लाइन लग गई क्योंकि 4 इन्फ्लुएंसर को लेकर एक स्टीरियोटाइप बन गया है कि वे यही काम कर सकते हैं।

आसान नहीं होता बेली डांस सीखना : कृति शेट्टी

कृति शैट्टी इन दिनों खूब चर्चा में है। अपने गाने ' अब्दी - अब्दी' में उसके कमाल के डांस ने हर किसी को उसका दीवाना बना दिया है।

कृति जल्द दक्षिण भारतीय अभिनेता रवि मोहन के साथ फिल्म 'जीनी' में दिखाई देगी। इसका गीत ' अब्दी अब्दी' रिलीज होने जा रहा इस गाने के लिए खासतौर पर उसने बैली डांस सीखा। कृति ने बताया कि इस गाने की तैयारी के लिए अपने बिजी शैड्यूल से वक्त निकालना काफी मुश्किल रहा, फिर भी वह इसकी प्रैक्टिस के लिए जाती थी।

कृति ने कहा, ₹जब मुझे फिल्म में बैली डांस के बारे में पता चला, तो मैं बेहद खुश हुई, क्योंकि जैसा कि हम जानते हैं, 'जीनी' एक मध्य पूर्व का विचार है, जो

अरेबियन नाइट्स की कहानियों में देखा गया है इसलिए फिल्म में बैली डांस का होना पूरी तरह से फिट बैठता है । यह मुझे बैली डांस की दुनिया तक ले गया, और मैं व्यक्तिगत रूप से बहुत उत्साहित थी, क्योंकि मुझे डांस करना पसंद है और इसने मुझे एक नया डांस फॉर्म सीखने का शानदार मौका दिया ।

उसने आगे कहा, "मेरे लिए यह सीखना थोड़ा मुश्किल हो गया क्योंकि मैं चेन्नई में अपनी 3 तमिल फिल्मों की लगातार शूटिंग कर रही थी। मुझे अभ्यास करने का मौका केवल तभी मिलता था जब मैं मुंबई वापस आती थी और डांस क्लासेज में जाकर इसे सीखती थी। मैं वास्तव में वहां कुछ घंटे बिताती थी और इसमें काफी समय लगता था । खैर, मुझे नई चीजें सीखना बहुत पसंद है । यह मेरे लिए व्यक्तिगत रूप से बहुत मजेदार था ।

कृति ने यह भी बताया कि बैली डांस सीखना कोई आसान काम नहीं था, लेकिन पूरी लगन के साथ इसकी तैयारी में उसने खुद को झोंक दिया।

योगी आदित्यनाथ
मुख्यमंत्री,
उत्तर प्रदेश

प्रगति और विश्वास, निरंतर बढ़ता
औद्योगिक विकास

नन्द गोपाल गुप्ता 'नन्दी'
मंत्री, औद्योगिक विकास
उत्तर प्रदेश सरकार

- **औद्योगिक भूखण्डों का आवंटनः** प्राधिकरण ने कलस्टर आधारित उद्योगों के विकास हेतु प्रभावी कार्यवाही की है। प्राधिकरण के औद्योगिक सेक्टरों में MSME पार्क, टॉय सिटी एवं हैण्डीक्राफ्ट पार्क एवं अपैरल पार्क का विकास किया गया है। वित्तीय वर्ष 2017 से 31 जनवरी 2024 तक कलस्टर आधारित औद्योगिक पार्कों एवं मिश्रित भू–उपयोग में कुल 2209 औद्योगिक ईकाइयों की स्थापना हेतु भूमि का आवंटन किया गया है। इन उद्योगों के स्थापना से प्राधिकरण क्षेत्र में लगभग 31,000 करोड़ रुपये का निवेश प्राप्त होगा तथा 3,61,593 लोगों को रोजगार की प्राप्ति होगी।
- **मेडिकल डिवाईस पार्कः** भारत सरकार की योजना के अन्तर्गत मेडिकल डिवाईस पार्क की स्थापना यमुना एक्सप्रेस प्राधिकरण द्वारा सेक्टर–28 में की जा रही है। मेडिकल डिवाईस पॉलसी के अन्तर्गत रु. 100 करोड का ग्रान्ट भारत सरकार द्वारा दिया जाना है जिसके सापेक्ष रु. 30 करोड़ प्राप्त हो चुके हैं। मेडिकल डिवाईस पार्क में इकाईयों की स्थापना के लिए भारत सरकार द्वारा सैद्धान्तिक अनुमति में वर्णित विशेष प्रोत्साहन लाभ प्रदान करने हेतु फार्मास्यूटिकल मैन्यूफैक्चरिंग नीति–2018 (यथा संशोधित) के प्रस्तर–12.5 के तहत प्रस्ताव पर मा. मंत्री परिषद् द्वारा दिनांक 14.06.2022 को अनुमोदन प्रदान कर दिया गया है। Scheme for promotion of Medical Devices Park के अनुसार मेडिकल डिवाइस पार्क योजना 02 वर्ष में क्रिन्यान्वित की जानी है। मेडिकल डिवाईस पार्क योजना के अन्तर्गत फेज–1 में 35, फेज–2 में 23 एवं फेज–3 में 14 भूखण्डों का आवंटन हो चुका है। इस योजना में लगभग 3800 करोड़ का निवेश प्राप्त होगा साथ ही 15000 रोजगार का सृजन होगा।
- **इन्टरनेशनल फिल्म सिटीः** उ.प्र. में अन्तर्राष्ट्रीय स्तर की फिल्म सिटी के स्थापना की उ.प्र. शासन की परिकल्पना ने लिया आकार। यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण के विकसित क्षेत्र में 230 एकड़ में फिल्म सिटी की स्थापना हेतु निर्माता निर्देशक बोनी कपूर एवं भूटानी इंफ्रा कम्पनी Bayview Projects LLP इनके द्वारा ड्रॉईंग डिजाइनिंग डीपीआर तैयार किया जा रकाह है।
- **नोयडा इन्टरनेशनल एयरपोर्ट, जेवरः** नॉयडा इन्टरनेशनल एयरपोर्ट, जेवर नागरिक उड्डयन विभाग, उ.प्र. शासन की पी.पी.पी. मोड पर आधारित परियोजना है। इसका विकास प्राधिकरण के मास्टर प्लान क्षेत्र इन्टरनेशनल एयरपोर्ट एण्ड एविएशन हब के अन्तर्गत 1334 हेक्टेयर क्षेत्र में जेवर के निकट किया जा रहा है। इस हेतु 1334 हेक्टेयर भूमि का अधिग्रहण किया जा चुका है तथा भारत सरकार की विभिन्न एजेंसियों से सभी प्रकार की एन.ओ.सी. एवं इन्वारयमेंट क्लीरेन्स प्राप्त हो चुका है। ग्लोबल बिडिंग प्रकिया से Zurich Airport International AG का चयन कंसेशनायर/विकासकर्ता के रूप में किया गया है। समस्त भूमि का कब्जा विकासकर्ता को प्रदान किया जा चुका है तथा विकास हेतु Master Plan एवं Development Plan अनुमोदित किया जा चुका है। वर्तमान में विकासकर्ता Yamuna International Airport Pvt. Ltd. जो Zurich Airport International AG की (SPV) है के द्वारा Terminal Building, रनवे, ATC Building के निमार्ण कार्य किया जा रहा है। प्रथम चरण में 12 मिलियन यात्रियों के लिए एयरपोर्ट का निर्माण होगा जिसमें रु. 5730 करोड़ की धनराशि कम्पनी द्वारा व्यय की जाएगी। एयरपोर्ट की स्थापना से औद्योगिक अवस्थपना का संरचनात्मक विकास होगा, जिससे रोजगार के अवसर बढेगें, विनिर्माण एवं निर्यात को प्रोत्साहन मिलेगा तथा हवाई यातायात सुगम होगा साथ ही पर्यटन में उल्लेखनीय वृद्धि होगी।
- **हेरीटेज सिटीः** राया नगरीय केन्द्र (वृन्दावन) प्राधिकरण की महायोजना में शासन द्वारा अनुमोदित है, जहाँ प्राधिकरण द्वारा हेरीटेज सिटी के रूप में विकास किये जाने की योजना है। इसके अध्ययन हेतु M/s CBRE South Asia Pvt. Ltd. को परामर्शदाता के रूप में चयन किया गया है। ब्रिज विकास परिषद के सुझाव पर इसका विकास श्री बांकेबिहारी मंदिर के समीप ग्रीनफील्ड एरिया में किया जाएगा जहाँ पर पूर्व से ही भगवान श्रीकृष्ण से सम्बन्धित कई पौराणिक स्थल मौजूद हैं। इस योजना में यमुना एक्सप्रेसवे से श्री बांकेबिहारी मन्दिर हेतु ग्रीनफील्ड कनेक्टिविटी प्रदान की जाएगी साथ ही रिवर फ्रन्ट, योग केन्द्र, प्रार्थना स्थल आदि का भी विकास हेरीटेज सिटी में सम्मिलित है। इसका DPR कंसलटेन्ट द्वारा तैयार किया जा रहा है। DPR के अनुमोदन के उपरान्त विकासकर्ता का चयन पी.पी.पी. मोड पर किया जाएगा। मास्टर प्लान दिनांक 21.10.2024 को शासन से अनुमोदित हो गया है।
- **ग्रुप हाउसिंग भूखण्डों का आवंटनः** प्राधिकरण द्वारा दिनांक 01.08.2024 को सेक्टर 18 एवं 22डी ग्रुप हाउसिंग भूखण्ड योजना (वाईईए–जीएच–08/2024) लायी गई थी। उक्त योजना में कुल 9 भूखण्डों का आवंटन किया जा चुका है।
- **डेटा सेन्टर पार्कः** सैक्टर–28 में डेटा सेन्टर पार्क 50 एकड़ में विभिन्न आकार के 6 भूखण्डों के आवंटन की योजना लायी गयी है। डेटा सेन्टर पार्क और एविएशन हब के बीच 2.5 कि.मी. की दूरी है। डेटा सेन्टर पार्क के अन्तर्गत 2 भूखण्डों का आवंटन हो चुका है।
- **संस्थागतः** प्राधिकरण के संस्थागत उपयोग हेतु प्रशिक्षण संस्थानों की स्थापना हेतु प्रभावी कार्यवाही की गई है। प्राधिकरण के संस्थागत सैक्टरों में Degree College, PG College, Medical College Management Institute/Technical Institute, Vocational College/Institute, Sport College/Sports Academy, Senior/Higher Secondary School, Integrated Residential Schools, Nursory School, Hospital, Nursing Home, Corporate Office etc. के उपयोग हेतु 238 भूखण्डों का आवंटन किया गया है।
- **ग्रामों का सैक्टरों की तर्ज पर स्मार्ट विलेज के रूप में विकासः** प्रथम फेज में प्राधिकरण द्वारा अधिग्रहित क्षेत्र के कुल 29 औद्योगिक नगरों को स्मार्ट विलेज के रुप में विकसित किया जाना प्रस्तावित है। 06 औद्योगिक नगरों (निलोनी, रामपुर बांगर, अच्छेजा बुजुर्ग, डूँगरपुर रीलका, मिर्जापुर व रूस्तमपुर का कार्य पूर्ण करा दिया गया है। 13 औद्योगिक नगरों (सलारपुर, मूंजखेडा, चपरगढ़, (माजरा–मिर्जापुर), गुनपुरा, मुरादगढ़ी, मौहम्मदपुर गुर्जर, खेरली भाव, औरंगपुर, अट्टा गुजरान, दनकौर जगनपुर, अफजलपुर, रौनीजा एवं चांदपुर) में कुल रुपये 9584.08 लाख के विकास कार्य प्रगति में हैं। शेष 11 औद्योगिक नगरों के प्राक्कलन तैयार किया जाना प्रस्तावित है।
- **प्राधिकरण के 96 औद्योगिक नगरी क्षेत्रों के अन्तर्गत स्कूलों के कायाकल्प के कार्यः** ऑपरेशन कायाकल्प के अंतर्गत परिषदीय विद्यालयों को अवस्थापना से संतृप्त कराये जाने हेतु बेसिक शिक्षा अधिकारी द्वारा कराये गये सर्वे में 14 मानकों के अन्तर्गत 89 प्राईमरी स्कूल तथा 34 जूनियर हाई स्कूल में कार्य पूर्ण कराये जा चुके हैं।
- **अभ्युदय कम्पोजिट विद्यालयः** प्राधिकरण सीमा के अन्तर्गत आने वाले 15 विद्यालयों की सूची तैयार कर प्रस्तुत की गयी है, जिसमें नयी शिक्षा नीति–2020 के अनुरूप At Grade Learning की अवधारणा के आधार पर उक्त चिन्हित विद्यालयों में पढ़ रहे बच्चों को विश्वस्तरीय एवं आधुनिक अवस्थापना सुविधाओं के साथ बेहतर शैक्षणिक परिवेश में शिक्षा प्रदान करने के उददेश्य से परिषदीय कम्पोजिट विद्यालयों को अभ्युदय कम्पोजिट विद्यालय के रूप में उच्चीकृत किये जाने हेतु प्रस्ताव प्रेषित किया गया है। इसके अन्तर्गत विद्यालय में 05 कक्षों से युक्त 01 एकीकृत भवन का निर्माण किया जाएगा, जहाँ निम्नलिखित आधुनिक अवस्थापना सुविधाओं को विकसित किया जाएगाः • Library with dedicated reading Corner • Computer lab with language lab solution • Modular composite (Math & Science) laboratory • High-tech Smart class by interactive display smart board with virtual class room • Staff room with attached toilet.

  अभ्युदय कम्पोजिट विद्यालय राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 के निर्धारित लक्ष्यों के अनुरूप डिजिटल शिक्षा पर विशेष ध्यान देने के उददेश्य से बच्चों को डिजिटल एजुकेशन प्लेटफार्म एवं डिजिटल लर्निंग के माध्यम से गुणवत्तापरख शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए आधुनिक स्मार्ट क्लास शैटअप को भी तैयार किया जायेगा। प्राधिकरण द्वारा कुल 12 विद्यालयों को दो चरणों में अभ्युदय कम्पोजिट विद्यालयों के रूप में विकसित किये जाने हेतु कार्य प्रगति में है।

Yamuna Expressway Industrial Development Authority
YEIDA
FUTURE IS HERE

यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण

प्रथम तल, कॉमर्शियल कॉपलेक्स, पी–2, सैक्टर ओमेगा–1, ग्रेटर नोएडा 201308, जनपद–गौतमबुद्ध नगर

Tolfree No.: 1800 180 8296 वेबसाईटः www.yamunaexpresswayauthority.com